R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 14
अंक : 357
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
शनिवार, 06 सितम्बर, 2025

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/एडी0/119/15-17

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

3 शिक्षक जीवन जीने की कला भी सिखाते हैं ...
5 भदोही पुलिस ने एक सौ दो गुमशुदा मोबाइल फोन ...
7 शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा पर 60 करोड़ रुपये ...

पीयूष गोयल का दावा, कांग्रेस ने लादा था भारी कर बोझ मोदी सरकार के जीएसटी से मिलेगी उपभोक्ताओं को बड़ी राहत

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि सत्ता में रहते हुए उसने नागरिकों पर भारी करों का बोझ डाला। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा जीएसटी में हालिया बदलाव से निवेश और रोज़गार की एक नई लहर पैदा होगी जो भारत के विकास चक्र को गति देगी। नई दिल्ली में भाजपा द्वारा आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, गोयल ने कहा कि जीएसटी दरों में बदलाव अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ है। उन्होंने कहा कि जीएसटी में बदलाव आने वाले दिनों में अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में मदद करेगा।

मंत्री ने तर्क दिया कि नई व्यवस्था के तहत कम करों से उपभोक्ताओं और व्यवसायों को सीधा लाभ होगा। उन्होंने कहा कि सबसे पहले मैं माननीय प्रधानमंत्री जी का धन्यवाद करना चाहता हूं कि इतना ऐतिहासिक और व्यापक बदलाव जो देश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगा, शायद आजादी के बाद पहली बार इतने बड़े रूप में देश के टैक्स स्ट्रक्चर में किया गया है। इतनी बड़ी राहत देश के उपभोक्ताओं को दी गई है, जो व्यापार करने में आसानी के लिए प्रभावशाली रहेगी।

भाजपा नेता ने कहा कि 15 अगस्त को प्रधानमंत्री जी ने देश से वादा किया था कि अब देश निकल पड़ा है, रुकेगा नहीं, झुकेगा नहीं। अब बड़े परिणाम देने वाले कदम उठाने की क्षमता भारत में है। उन्होंने कहा कि 2014 में, जब हमारी सरकार सत्ता में आई थी, तब यह क्षमता नहीं थी। हम सब जानते हैं कि उस समय अर्थव्यवस्था कितनी कमज़ोर थी और सिर्फ़ भ्रष्टाचार से भरी हुई थी। वादे तो हुए, लेकिन लोगों को कुछ नहीं मिला। उन्होंने कहा कि श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने ही कभी एकीकृत कर प्रणाली की कल्पना की थी। लेकिन जब यूपीए सरकार आई, तो वे बिना कोई कार्रवाई किए वादे करते रहे। राज्य सरकारों को उन पर भरोसा नहीं रहा। प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शिता और दृढ़ संकल्प के कारण ही जीएसटी एक वास्तविकता बन पाया।

गोयल ने कहा कि ये क्षमता देश में 2014 में नहीं थी। जब हमारी सरकार आई तो उस समय देश की अर्थव्यवस्था कितनी कमजोर थी, ये हम सब जानते हैं। कांग्रेस के शासन में भ्रष्टाचार के अलावा कोई प्रभावशाली कदम नहीं उठाए गए। वादे बहुत किए जाते थे, लेकिन कार्रवाई गायब था। उन्होंने कहा कि 2017 से 2024-25 तक समय-समय पर जहां-जहां संभव हुआ प्रधानमंत्री जी रेट्स कम करते ही रहे हैं। आपको याद होगा कि 2018 में तो 100-150 आइटम्स पर एक साथ कम किए गए थे। देश के उपभोक्ताओं को लाभ देने का ये सिलसिला लगातार प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में चलता रहा है।

उन्होंने कहा कि विपक्ष ने अनाप शनाप आरोप, झूठे आरोप लगाए और गलतफहमियां पैदा करने की कोशिश की। लेकिन, आप किसी भी व्यक्ति से बात कीजिए, 2014 से पहले कांग्रेस की सरकार के समय जो बोझ पेपर वर्क और टैक्स का था, वो 2017 में जीएसटी आने के बाद लगातार घट रहा है। उन्होंने कहा कि यूपीए काल के उस दौर को याद कीजिए, जब लोगों पर उत्पाद शुल्क, वैट, केंद्रीय बिक्री कर और प्रवेश कर के रूप में 30इ से ज़्यादा कर का बोझ था। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने एक मज़बूत अर्थव्यवस्था का निर्माण किया है। इससे न केवल करों में कमी आई है, बल्कि जीएसटी दरों को सरल और युक्तिसंगत बनाया गया है और व्यापार करने में और आसानी हुई है। प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस की नकारात्मक विचारधारा के बिल्कुल विपरीत, भारतीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए एक सकारात्मक कदम उठाया है।

एलओसी के पास पुंछ में भारतीय सेना ने मुसलमानों संग ईद मिलाद-उन-नबी मना कर जीता सबका दिल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। जम्मू-कश्मीर के पुंछ ज़िले का बालनोई सेक्टर अक्सर संघर्षविराम उल्लंघनों और तनावपूर्ण माहौल के लिए जाना जाता है। लेकिन इसी सरहदी इलाके से एक ऐसी खबर आई है जिसने उम्मीद, भाईचारे और सांप्रदायिक सौहार्द का संदेश दिया है। हम आपको बता दें कि भारतीय सेना की कृष्णा घाटी ब्रिगेड की बालनोई बटालियन ने स्थानीय मुसलमानों के साथ मिलकर ईद मिलाद-उन-नबी के 1500वें साल का जश्न मनाया।

यह आयोजन केवल एक धार्मिक पर्व का हिस्सा नहीं था, बल्कि भारतीय सेना के उस स्वरूप का प्रतीक था जो सिर्फ़ सीमा की रक्षा तक सीमित नहीं, बल्कि नागरिक समाज के साथ विश्वास और आत्मीयता की डोर को भी मज़बूत करता है। हम आपको बता दें कि ईद मिलाद-उन-नबी पैगंबर हज़रत मोहम्मद साहब की शिक्षाओं– भाईचारे, करुणा और न्याय का स्मरण है। जब सेना स्थानीय लोगों के साथ मिलकर इस पर्व को मनाती है, तो यह उन शिक्षाओं को भारतीय संविधान और समाज की बहुलतावादी परंपरा से जोड़ देता है। सरहद पर यह दृश्य संदेश देता है कि धार्मिक विविधता भारत की ताक़त है और इसे सुरक्षित रखने में सेना अग्रिम भूमिका निभा रही है।

यह पहल सुरक्षा की दृष्टि से भी महत्त्वपूर्ण है। जब सेना और स्थानीय समुदाय के बीच भरोसा मज़बूत होता है, तो सीमापार से घुसपैठ और कट्टरपंथी तत्वों को पनपने का अवसर नहीं मिलता। सेना का यह मानवीय चेहरा युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ता है और उन्हें नकारात्मक रास्तों से दूर रखने में सहायक होता है। देखा जाये तो ऐसे आयोजनों के माध्यम से भारतीय सेना यह साबित करती है कि वह केवल सीमा की प्रहरी नहीं, बल्कि राष्ट्र के सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों की भी संरक्षक है। बालनोई सेक्टर का यह आयोजन हमें याद दिलाता है कि 'जीत केवल ज़मीन की नहीं, दिलों की भी ज़रूरी है।' भारतीय सेना की यह पहल काबिले-तारीफ़ है और यह पूरे देश के लिए एक प्रेरणा है कि विविधता और एकता मिलकर ही राष्ट्र की असली शक्ति बनाती हैं। बहरहाल, आइये देखते हैं प्रतिक्रियाएं।

दिल्ली से इंदौर जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग, पायलट ने क्यों कहा- पैन-पैन

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली से इंदौर जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की एक उड़ान, जिसमें 161 यात्री सवार थे, के इंजन में शुक्रवार को हवा में खराबी आ गई, जिसके बाद पायलट ने 'पैन-पैन' कहकर एक गैर-जानलेवा आपात स्थिति का संकेत दिया। अधिकारियों ने पुष्टि की कि इस डर के बावजूद, विमान केवल 20 मिनट की देरी से इंदौर के देवी अहिल्याबाई होल्कर हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतर गया। उन्होंने बताया कि उड़ान आईएक्स 1028 को सुबह 9:35 बजे उतरना था, लेकिन यह 9:55 बजे उतरी। इस बीच, हवाई अड्डे के निदेशक विपिनकांत सेठ ने कहा कि तकनीकी समस्या की सूचना मिलने के बाद सभी आवश्यक सावधानियां बरती गईं। उन्होंने बताया कि आपातकालीन अग्निशमन और चिकित्सा व्यवस्था को तैयार रखा गया था और विमान सभी यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित रूप से उतार लिया गया।

गौरतलब है कि इंजन में समस्या का पता चलने के बाद पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को 'पैन-पैन' अलर्ट जारी किया था। 'पैन-पैन' विमानन और समुद्री संचार में एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सिग्नल है जो किसी आपात स्थिति का संकेत देता है, लेकिन जीवन के लिए खतरा नहीं। यह एटीसी और ग्राउंड सेवाओं को यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए तत्काल सहायता प्रदान करने में सक्षम बनाता है।

सिग्नल के बाद, हवाईअड्डा अधिकारियों ने मानक संचालन प्रक्रिया लागू की, जिसमें आपातकालीन प्रतिक्रिया टीमों को तैनात करना शामिल था। अधिकारियों के अनुसार, इस त्वरित कार्रवाई से यह सुनिश्चित हुआ कि विमान बिना किसी अफरा-तफरी या व्यवधान के सुरक्षित स्थान पर पहुँच गया। एक अन्य घटना में, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी को ले जा रहे एक विमान को शुक्रवार सुबह खराब मौसम के कारण भुवनेश्वर में उतरने में विफल रहने के बाद कोलकाता डायवर्ट कर दिया गया। एक मंत्री ने बताया कि माझी, जो दिल्ली के पाँच दिवसीय दौरे पर थे, सुबह लगभग 9.45 बजे भुवनेश्वर हवाई अड्डे पर उतरने वाले थे।

राष्ट्रीय हित में होंगे फैसले, रूस से तेल खरीदता रहेगा भारतः निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि भारत रूस से तेल खरीदना जारी रखेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार हर फैसला राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखकर ही लेती है। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि चाहे रूस से तेल खरीदने का मामला हो या कोई और मुद्दा, निर्णय केवल देश के हितों को देखते हुए लिया जाएगा।

सीतारमण ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए गए अतिरिक्त 25इ टैरिफ से चिंता जरूर बढ़ी है लेकिन सरकार इस चुनौती का सामना करेगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि 50इ टैरिफ से प्रभावित उद्योगों को मदद के लिए पैकेज तैयार किया जाएगा। इसी बातचीत में वित्त मंत्री ने हाल ही में हुए जीएसटी सुधारों के बारे में भी बताया। 22 सितंबर से लागू होने वाले जीएसटी 2.0 के तहत अब 4 स्लैब की जगह केवल 2 स्लैब (5इ और 18इ) रह जाएंगे। इससे हजारों वस्तुओं पर टैक्स घटेगा और आम जनता को सीधा फायदा होगा।

विशेषज्ञों का मानना है कि जीएसटी सुधारों से वस्तुओं की कीमतों में गिरावट आएगी और डिमांड बढ़ेगी। इससे अमेरिकी टैरिफ के असर को काफी हद तक कम किया जा सकेगा।

न्यायमूर्ति श्री चंद्रशेखर ने मुंबई उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली

मुम्बई **(एजेंसी)**। न्यायमूर्ति श्री चंद्रशेखर ने शुक्रवार को मुंबई उच्च न्यायालय के नए मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। महाराष्ट्र के राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन ने यहां राजभवन में आयोजित एक समारोह में उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर, मुंबई के पुलिस आयुक्त देवेन भारती और राज्य पुलिस महानिदेशक रश्मि शुक्ला सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। न्यायमूर्ति आलोक अराधे के उच्चतम न्यायालय में पदोन्नत होने के बाद न्यायमूर्ति चंद्रशेखर कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्य कर रहे थे।

बाढ़ पीड़ितों से मिलकर केजरीवाल का छलका दर्द बोले- खाने-पानी तक की दिक्कत, सरकार कहाँ है?

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शास्त्री पार्क क्षेत्र का दौरा किया और गंभीर जलभराव और बाढ़ जैसी स्थिति का सामना कर रहे क्षेत्रों का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि हम राहत शिविर में लोगों का हालचाल जानने आए हैं। वे कई समस्याओं का सामना कर रहे हैं। उन्हें समय पर खाना नहीं मिल रहा है, मच्छरों का प्रकोप है, लेकिन उनसे निपटने के लिए कोई व्यवस्था नहीं है, पीने के पानी की समस्या है, हमें बताया गया कि कल ही टेंट लगाए गए थे, जबकि बारिश पहले से ही हो रही थी।

केजरीवाल ने आगे कहा कि हम समझ सकते हैं कि यह एक प्राकृतिक आपदा है, लेकिन लोगों के लिए सभी व्यवस्थाएँ करना सरकार की ज़िम्मेदारी है। हम सरकार से आग्रह करते हैं कि राहत शिविरों में लोगों को सभी सुविधाएँ प्रदान करें। दिल्ली में हर जगह जलभराव है, कई इलाकों में इसका मुख्य कारण समय पर गाद निकालने का काम न होना, नालों की सफाई न होना और कई इलाकों में सीवर का बैकफ़्लो होना है। उन्होंने कहा कि कई इलाकों में पीने का पानी नहीं है। इसलिए, हम सरकार से आग्रह करते हैं कि लोगों को जितनी भी सुविधाएँ उपलब्ध हों, उपलब्ध कराई जाएँ... पूरा उत्तर भारत - जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और उत्तराखंड बाढ़ से जूझ रहे हैं। इसलिए, मैं केंद्र से आग्रह करता हूँ कि लोगों को यथासंभव राहत प्रदान की जाए।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र ने अफ़ग़ानिस्तान में आए भूकंप के बाद राहत सामग्री उपलब्ध कराई थी। यह अच्छी बात है, लेकिन केंद्र को उन सभी राज्यों को भी राहत प्रदान करनी चाहिए जो इस समय संकट में हैं। गुरुवार सुबह 10 बजे पुराने रेलवे पुल पर यमुना का जलस्तर 207.47 मीटर दर्ज किया गया। पिछले दो घंटों से जलस्तर स्थिर बना हुआ है, आज सुबह 8 और 9 बजे भी यही स्तर दर्ज किया गया। लगातार बारिश के बाद नदी लगातार खतरे के निशान 205.33 मीटर से ऊपर बह रही है।

शहर के लिए यमुना का चेतावनी चिह्न 204.5 मीटर है, जबकि खतरे का निशान 205.33 मीटर है। लोगों को 206 मीटर से निकालने का काम शुरू हो गया है। इससे पहले आज सुबह 6 से 7 बजे के बीच यमुना नदी का जलस्तर 207.48 मीटर था। हालाँकि, राजधानी में नदी के जलस्तर में मामूली गिरावट के बावजूद, यमुना नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। इस बीच, दिल्ली जलभराव और संभावित बाढ़ के संकेतों से जूझ रही है। आज सुबह-सुबह लोहा पुल और आसपास के क्षेत्रों से प्राप्त दृश्यों में यमुना नदी का विस्तार दिखाई दिया, जो भारी और निरंतर वर्षा के बाद कहर बरपा रही है।

सरकारी विद्यालयों के शिक्षक दोपहर का भोजन छात्रों के साथ करें : मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी

हैदराबाद **(एजेंसी)**। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों से आह्वान किया कि वे दोपहर का भोजन छात्रों के साथ करें ताकि भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। रेड्डी ने यहां शिक्षक दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें दुख होता है जब सरकारी विद्यालयों में खाद्य विषाक्तता की घटनाएं होती हैं, जबकि सरकार भोजन और अन्य बुनियादी आवश्यकताओं के लिए धनराशि बढ़ा रही है। शिक्षा विभाग का भी कार्यभार संभाल रहे रेड्डी ने कहा कि वहविद्यालयों का दौरा भी करेंगे और छात्रों के साथ भोजन करेंगे। उन्होंने कहा, "अगर शिक्षक छात्रों के साथ भोजन करेंगे, तो इससे भोजन तैयार करने के उचित मानकों को बनाए रखने में मदद मिलेगी।"

मुख्यमंत्री ने शिक्षकों से भोजन की गुणवत्ता और अन्य सुविधाओं में सुधार की आवश्यकताओं के बारे में सरकार को सूचित करने को कहा। रेड्डी ने कहा कि उनकी सरकार शिक्षा के क्षेत्र में सर्वोत्तम तरीकों का अध्ययन करने के लिए प्रतिवर्ष लगभग 200 शिक्षकों को सिंगापुर और दक्षिण कोरिया जैसे देशों में भेजने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा, "गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की वजह सेसिंगापुर और जापान जैसे देशों में विकास हुआ है।" रेड्डी ने कहा कि राज्य में लगभग 27, 000 सरकारी विद्यालयों में 24 लाख छात्र पढ़ते हैं, जबकि 11, 000 निजी विद्यालयों में 34 लाख छात्र पढ़ते हैं। उन्होंने कहा, "सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों की योग्यता आमतौर पर निजी विद्यालयों के शिक्षकों से बेहतर होती है।"

रेड्डी ने कहा कि राज्य की नयी शिक्षा नीति तैयार करने के लिए पूर्व राज्यसभा सदस्य के केशव राव, विधायक कादियम श्रीहरि और अधिकारियों की एक समिति गठित की गई है। रेड्डी ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की सफलता का हवाला देते हुए कहा, "उन्हें दूसरे और तीसरे कार्यकाल के लिए मुख्य रूप से शिक्षा में लाए गए बदलावों के कारण चुना गया। उन्होंने शिक्षा को शिक्षकों द्वारा गरीब वर्गों तक सफलतापूर्वक पहुंचाया गया।" मुख्यमंत्री ने अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को स्वीकार करते हुए कहा, "मेरा भी कुछ स्वार्थ है। अगर आप अच्छा काम करेंगे, तो मेरे लिए दूसरे और तीसरे कार्यकाल की संभावना बन सकती है। मैं कुछ भी छिपाना नहीं चाहता। मैं कड़ी मेहनत करूंगा। मैं आपके साथ मिलकर कड़ी मेहनत करूंगा।

शिक्षा नीति पर केंद्र-तमिलनाडु में तकरार तेज, उदयनिधि बोले- त्रिभाषा फॉर्मूला नामंजूर

चेन्नई **(एजेंसी)**। तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने शुक्रवार को दोहराया कि राज्य त्रिभाषा नीति को कभी स्वीकार नहीं करेगा। वह यहाँ अन्ना शताब्दी पुस्तकालय सभागार में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित एक सरकारी समारोह में अध्यक्षीय भाषण दे रहे थे और डॉ. राधाकृष्णन पुरस्कार प्रदान कर रहे थे। उदयनिधि स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु त्रिभाषा नीति को कभी स्वीकार नहीं करेगा। दो-भाषा प्रणाली पर्याप्त से अधिक है।

त्रिभाषा विवाद ने 2020 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के कार्यान्वयन को लेकर केंद्र और तमिलनाडु सरकार के बीच गतिरोध पैदा कर दिया है। द्रमुक सरकार ने त्रिभाषा नीति को 'भगवाकरण नीति' करार दिया है जिसका उद्देश्य भारत के विकास के बजाय हिंदी को बढ़ावा देना है। केंद्र ने तमिलनाडु को समग्र शिक्षा अभियान (एसएसए) के तहत करोड़ों रुपये की धनराशि रोक दी, क्योंकि राज्य ने एनईपी 2020 के प्रमुख पहलुओं, विशेष रूप से त्रि-भाषा फॉर्मूले को लागू करने से इनकार कर दिया था।

इस साल मई में, तमिलनाडु सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में एक मूल मुकदमा दायर किया, जिसमें केंद्र पर समग्र शिक्षा योजना के तहत ?2000 करोड़ से अधिक की महत्वपूर्ण शिक्षा निधि के अपने वार्षिक हिस्से को रोकने का आरोप लगाया गया था। तमिलनाडु द्वारा एनईपी 2020 के प्रमुख पहलुओं, विशेष रूप से त्रि-भाषा फॉर्मूले को लागू करने से इनकार करने के परिणामस्वरूप, केंद्र ने समग्र शिक्षा अभियान (एसएसए) के तहत केंद्रीय शिक्षा सहायता में 573 करोड़ रुपये रोक दिए हैं। उदयनिधि स्टालिन ने ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की परिवर्तनकारी भूमिका पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, 'पहले जब हम गाँवों में जाते थे, तो लोग किसी घर की ओर इशारा करके कहते थे, 'यह शिक्षक का घर है।' आज, वे गर्व से कहते हैं, 'यह डॉक्टर का घर है, यह जज का घर है।' इससे पता चलता है कि शिक्षा ग्रामीण समुदायों में कितनी दूर तक फैल गई है।' शिक्षकों के महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डालते हुए, उदयनिधि ने कहा, 'मध्याह्न भोजन योजना से लेकर सभी विशेष कल्याणकारी कार्यक्रमों तक, इसका श्रेय शिक्षकों को जाता है।' खेल मंत्री के रूप में एक विशेष अनुरोध करते हुए, उन्होंने आगे कहाः 'मैं स्कूली शिक्षकों से अनुरोध करता हूँ कि वे नियमित कक्षाएं संचालित करने के लिए शारीरिक शिक्षा के पीरियड्स का इस्तेमाल न करें। खेलों और शारीरिक प्रशिक्षण को उनका उचित स्थान दिया जाए।

सीडीएस अनिल चौहान का बड़ा बयान, चीन सीमा विवाद भारत की सबसे बड़ी चुनौती

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने शुक्रवार को कहा कि चीन के साथ भारत का सीमा विवाद देश के लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। गोरखपुर में एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि चीन का सीमा विवाद सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है, वहीं भारत के खिलाफ पाकिस्तान का छद्म युद्ध अगला बड़ा मुद्दा है। उन्होंने आगे कहा कि इस्लामाबाद की रणनीति हमेशा से 'भारत को हज़ार ज़ख्म देकर लहूलुहान करने' की रही है। अनिल चौहान ने उपस्थित लोगों को बताया कि देशों के सामने चुनौतियाँ क्षणिक नहीं हैं; वे विभिन्न रूपों में मौजूद हैं। मेरा मानना है कि चीन के साथ सीमा विवाद भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती है और आगे भी रहेगी। दूसरी बड़ी चुनौती पाकिस्तान का भारत के खिलाफ छद्म युद्ध है, जिसकी रणनीति 'भारत को हज़ार ज़ख्मों से लहूलुहान करने' की है। उन्होंने कहा कि एक और चुनौती यह है कि युद्ध के क्षेत्र बदल गए हैं–अब इसमें साइबर और अंतरिक्ष भी शामिल हैं। हमारे दोनों प्रतिद्वंद्वी परमाणु शक्ति संपन्न हैं, और यह तय करना हमेशा एक चुनौती बना रहेगा कि हम उनके खिलाफ किस तरह के अभियान चलाना चाहते हैं। शीर्ष सैन्य अधिकारी ने मई में पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर पर भी बात की, जिसमें भारत ने 22 अप्रैल के पहलगाम हमले के जवाब में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया था। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन के दौरान सशस्त्र बलों को पूरी तरह से परिचालन की आज़ादी थी और इसका उद्देश्य हमारे धैर्य की सीमा रेखा खींचना था। उन्होंने कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमें पूरी तरह से परिचालन की आज़ादी थी, जिसमें योजना बनाना और लक्ष्यों का चयन भी शामिल था। इसका उद्देश्य आतंकवादी हमले का बदला लेना नहीं, बल्कि हमारे धैर्य की सीमा रेखा खींचना था।'

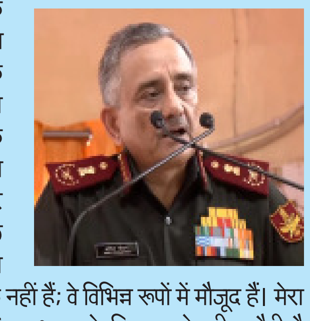

आईपीएस महिला अधिकारी से बातचीत पर बवाल के बाद अजित पवार ने दी सफाई

कहा- कानून में दखल देना मकसद नहीं था

मुम्बई। महाराष्ट्र के सोलापुर जिले से एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ, जिसमें राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित पवार और एक आईपीएस महिला अधिकारी अंजलि कृष्णा के बीच बातचीत देखी जा सकती है। यह घटना उस वक्त की है जब सोलापुर के माधा तालुका के कुर्दू गांव में रेत खनन को लेकर चल रही अवैध गतिविधियों के खिलाफ अधिकारी कार्रवाई कर रही थीं। वीडियो में अजित पवार, आईपीएस अधिकारी से पूछते हैं - 'तुम इतनी निडर हो? मैं कार्रवाई करूं क्या?' इसके बाद वह अधिकारी से उनका फोन नंबर भी मांगते हैं। इस बातचीत के बाद यह सवाल उठने लगे कि क्या एक राजनेता पुलिस की कार्रवाई में हस्तक्षेप कर रहे हैं?

जैसे ही वीडियो वायरल हुआ, सोशल मीडिया पर इसे लेकर तीखी प्रतिक्रियाएं आने लगीं। विपक्षी दलों ने इसे लेकर राजनीतिक हमला बोलना शुरू कर दिया और सरकार पर प्रशासनिक कामों में दखल देने का आरोप लगाया। लोगों ने सवाल उठाए कि क्या एक आईपीएस अधिकारी को अवैध खनन रोकने पर रोका जाना सही है?

विवाद बढ़ने पर उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपना बयान जारी किया। उन्होंने कहा 'सोलापुर में पुलिस अधिकारियों के साथ मेरी बातचीत से संबंधित कुछ वीडियो प्रसारित हो रहे हैं, जिनकी ओर मेरा ध्यान आकर्षित किया गया है। मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि मेरा उद्देश्य कानून प्रवर्तन में हस्तक्षेप करना नहीं था, बल्कि यह सुनिश्चित करना था कि ज़मीनी स्तर पर स्थिति शांत रहे और आगे न बिगड़े।'

उन्होंने आगे कहा कि 'मैं अपने पुलिस बल और अधिकारियों का बहुत सम्मान करता हूं, खासकर महिला अधिकारियों का जो साहस के साथ ड्यूटी निभाती हैं। मैं पारदर्शी शासन के लिए प्रतिबद्ध हूं और रेत खनन सहित हर अवैध गतिविधि के खिलाफ कानून के अनुसार सख्ती से कार्रवाई होनी चाहिए।'

'टोंटी चोरी' वाला आरोप कभी नहीं : अखिलेश यादव की गाड़ियों पर 8 लाख का चालान

बोले- चालान करने वाला जरूर बीजेपी का होगा

लखनऊ **(एजेंसी)**। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की सरकारी गाड़ियों पर ओवरस्पीडिंग के चलते करीब 8 लाख रुपये का चालान काटा गया है। इस मामले को लेकर अखिलेश यादव ने राज्य की योगी सरकार पर निशाना साधते हुए इसे 'राजनीतिक चाल' बताया है। शुक्रवार को राजधानी लखनऊ में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अखिलेश ने खुलासा किया कि उन्हें हाल ही में अपनी सरकारी गाड़ियों के चालान की जानकारी मिली, जिनकी कुल राशि लाखों में है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा, 'सरकार ने जो गाड़ी दी है, वो ऐसी है कि चल ही नहीं सकती। चालान तो कटना ही है।'

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जब एक व्यक्ति ने अपनी गाड़ी के 20 हजार रुपये के चालान और उसके पाट्र्स चोरी होने की शिकायत रखी, तो अखिलेश यादव ने कहा, 'आपका तो कम चालान है, कल ही हमें हमारी गाड़ियों के चालान मिले हैं। कागज देखकर ही समझ गया कि सरकार की तरफ से चालान आया है।' उन्होंने आरोप लगाया कि यह चालान जानबूझकर किया गया है और पीछे किसी 'बीजेपी से जुड़े सिस्टम' का हाथ हो सकता है। 'जो सिस्टम चला रहा होगा, वो बीजेपी का नेता होगा। मैं इसको ट्रेस करूंगा कि कौन है इसके पीछे।'

अखिलेश ने आगे कहा कि सरकार के पास कैमरे हैं, जिन्होंने शायद उनकी गाड़ियों को ओवरस्पीड में रिकॉर्ड किया होगा। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि चालान की राशि वह पार्टी के खाते से भर देंगे। 'हमें कोई दिक्कत नहीं है, हम तो भर देंगे, लेकिन गरीब आदमी कहां से लाएगा इतना पैसा?'

इस दौरान उन्होंने कहा कि 'आप मुझपर टोंटी चोरी का आरोप लगाकर मुख्यमंत्री आवास को गंगाजल से धुलवाएंगे तो मैं इसे कभी भूल नहीं सकता। ये बात सरकार जान ले और सरकार चलाने वाले भी। ये अवनीश अवस्थी और अभिषेक कौशिक का खेल था।

यह मामला सिर्फ एक चालान का नहीं बल्कि राजनीतिक बयानबाज़ी और सिस्टम पर उठते सवालों का बन गया है। अखिलेश यादव का यह आरोप कि चालान जानबूझकर राजनीतिक मंशा से काटे गए हैं, बीजेपी सरकार पर बड़ा सवाल खड़ा करता है। हालांकि, अभी तक प्रशासन की ओर से इस मामले पर कोई औपचारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

झाड़ियों में मिली 17 साल की लड़की की सेमी न्यूड बॉडी

शरीर पर चोट के निशान रेप के बाद हत्या की आशंका

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जनपद से एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहां पर एक 17 साल की लड़की की हत्या कर उसका शव झाड़ियों में फेंक दिया गया। झाड़ियों में उसका शव अर्धनग्न हालात में मिला। शव मिलने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। जानकारी पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में ले लिया। पुलिस ने रेप के बाद हत्या की आशंका जताई है।

यह घटना कड़ाधाम कोतवाली क्षेत्र के सोरई बुजुर्ग गांव की है। यहां पर युवती का सेमी न्यूड शव मिला है। बताया जा रहा है कि मरने वाली लड़की मजदूरी का काम करती थी। गुरुवार सुबह वो अपने घर से मजदूरी के पैसे लेने के लिए नवाब नामक व्यक्ति के घर गई थी। लेकिन शाम होने तक भी वो घर नहीं लौटी। जिसके बाद उसके परिजन काफी परेशान हो गए। परिवार वालों ने उसकी तलाश शुरू कर दी। जिसके बाद एक चरवाहे ने गांव के बाहर झाड़ियों में लड़की की लाश और पास में पड़ी उसकी साइकिल बरामद की। लड़की की लाश मिलने की जानकारी पुलिस को दी गई।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का जायजा लिया और लड़की के शव को कब्जे में ले लिया। लड़की के शरीर पर आधे कपड़े थे। उसके शरीर पर चोट के निशान थे। अर्धनग्न हालात में शव होने की वजह से पुलिस ने रेप की आशंका जताई है। शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल, मामले में जांच की जा रही है। पूरी जांच के बाद इस हत्या का खुलासा होगा।

सिपाही ने बाइक सवार दंपति को कार से रौंदा; पति की मौत, पत्नी घायल, गाड़ी से मिली शराब की बोतल

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के सहारनपुर जिले में एक भीषण सड़क हादसा हो गया। यहां पर एक तेज रफ्तार कार ने मोटरसाइकिल सवार दंपति को टक्कर मार दी, जिसके कारण पति की मौत हो गई, जबकि पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। कार एक पुलिसकर्मी चला रहा था। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई।

पुलिस के मुताबिक, बृहस्पतिवार शाम को हुई इस घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने कार में शराब की बोतल देखकर हंगामा किया, जिसके बाद पुलिस ने कांस्टेबल को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस क्षेत्राधिकारी मुनीष चंद्र ने बताया कि बृहस्पतिवार शाम राशिद (50) अपनी पत्नी मुन्नी (45) के साथ मोटरसाइकिल से बैंक जा रहा था, तभी बेहट चौराहे पर एक अनियंत्रित कार ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी।

पुलिस ने बताया गंभीर रूप से घायल दंपति को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान राशिद की मौत हो गई, जबकि मुन्नी का इलाज चल रहा है। पुलिस ने कार चला रहे आरोपी कांस्टेबल आकाश को चिकित्सा जांच के लिए भेजा, लेकिन उसके शराब पीने की पुष्टि नहीं हुई।

सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने गोरखनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की, सीएम योगी भी रहे मौजूद

गोरखपुर। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने गुरुवार (4 सितंबर) को उत्तर प्रदेश के गोरखपुर स्थित गोरखनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की। मंदिर भ्रमण के दौरान, सीडीएस जनरल चौहान के साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और मुख्य पुजारी योगी कमलनाथ भी मौजूद थे। मुख्य पुजारी योगी कमलनाथ ने सीडीएस जनरल चौहान को स्मृति चिन्ह के रूप में एक अंगवस्त्र और गोरखनाथ की एक मूर्ति भेंट की।

सीडीएस जनरल चौहान ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अहम भूमिका निभाई थी, जो भारत ने मई में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए घातक आतंकी हमले के बाद चलाया था। इस हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी, जिनमें ज़्यादातर पर्यटक थे। हाल ही में भारत-पाकिस्तान सैन्य संघर्ष के दौरान, जनरल चौहान ने तीनों सेनाओं के बीच तालमेल सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाई थी।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय सेना की सफलता के बावजूद, जनरल चौहान का मानना है कि नई दिल्ली को इस्लामाबाद द्वारा की गई 'किसी भी हिंसक कार्रवाई' का जवाब देने के लिए तैयार रहना होगा, चाहे वह सरकारी हो या गैर-सरकारी, दोनों ही तरह की हो। उन्होंने यह टिप्पणी अगस्त में नई दिल्ली में वार्षिक ट्राइडेंट व्याख्यान श्रृंखला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए की थी। उन्होंने कहा था, हमें गैर-पारंपरिक और परमाणु क्षेत्रों के बीच पारंपरिक अभियानों के लिए और अधिक जगह बनाने की आवश्यकता है। और, हमें पूर्ण-स्पेक्ट्रम निरोध के पाकिस्तानी सिद्धांत को चुनौती देने की आवश्यकता है, जो निम्नतम स्तर से लेकर उच्चतम स्तर तक निरोध की बात करता है।

ग्राम सभा पट्टी बेजाव में भव्य श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। सुरियावां ब्लॉक के ग्राम सभा पट्टी बेजाव में श्रीमद भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा का आयोजन काशी विद्यापीठ के पूर्व प्रोफेसर डॉक्टर शंभूनाथ उपाध्याय के निवास पर हो रहा है। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक मयंक उपाध्याय और रेखा उपाध्याय हैं।

कार्यक्रम में कमीशनर आशीष मिश्रा विशेष रूप से उपस्थित रहें । डॉ लोलारखनाथ उपाध्याय, केशव प्रसाद उपाध्याय, मयंक भूषण उपाध्याय, मनोज भूषण उपाध्याय और डॉ सशांक भूषण उपाध्याय, ग्रामप्रधान बेबी उपाध्याय सहित कई लोग कथा का श्रवण कर रहे हैं। श्रीमद भागवत कथा में भगवान कृष्ण की लीलाओं का वर्णन स्वामी राघवेंद्राचार्य महराज के द्वारा किया जा रहा है। यह कथा आध्यात्मिक विकास का माध्यम है। इसके श्रवण से जीवन में सुख और शांति की प्राप्ति होती है। यह भगवान कृष्ण की भक्ति का एक प्रमुख साधन माना जाता है।

आनलाईन शिकायत प्रणाली जनसुनवाई पोर्टल के माध्यम से शिकायतों के समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण में भदोही अव्वल

लगातार माह जुलाई एवं अगस्त, 2025 में प्रदेश स्तर की रैंकिंग में भदोही पुलिस को मिला प्रथम स्थान

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। अभिमन्यु मांगलिक, पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा आईजीआरएस निस्तारण के कार्यों की स्वयं मॉनिटरिंग करते लगातार निर्देशों के फलस्वरूप विगत माह जुलाई एवं अगस्त में उत्तर प्रदेश की रैंकिंग में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

उ0प्र0 सरकार की आनलाइन शिकायत प्रणाली जनसुनवाई पोर्टल (छ्रिंए) से प्राप्त शिकायतों को जनपद भदोही पुलिस द्वारा समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया गया। जिसके फलस्वरूप प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में जनपद भदोही जो माह जुलाई में भी प्रथम रैंक प्राप्त किया था। तथा विगत माह अगस्त, 2025 में प्रदेश स्तर पर जारी की गयी रैंकिंग में पुनः प्रथम रैंकप्राप्त हुआ है।

जनपद भदोही पुलिस के जनसुनवाई पोर्टल पर प्राप्त सन्दर्भों का मुख्यमंत्री कार्यालय से मुल्यांकन किया गया तो उ0प्र0 के सभी 75 जनपदों में जनपद भदोही की कार्यवाही 100इ रही व रैंक प्रथम रहा।

अभिमन्यु मांगलिकपुलिस अधीक्षक भदोही के निर्देशन में व शुभम अग्रवालअपर पुलिस अधीक्षक भदोही के प्रवेक्षक में जनसुनवाई पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के त्वरित, गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण हेतु जनसुनवाई पोर्टल (छ्रिंए) के कार्यों की मानीटरिंग करते हुए जनपद के समस्त पुलिस अधिकारी व थाना प्रभारियों को लगातार निर्देश दिये जा रहे हैं। जनसुनवाई पोर्टल से प्राप्त शिकायतों को पुलिस कार्यालय में गठित आईजीआरएस सेल द्वारा सम्बंधित थानों पर आनलाईन प्रेषित की जाती है। समस्त थाना प्रभारियों द्वारा प्राप्त सन्दर्भों की जांच आख्या आनलाईन दिये गये समय सीमा के अन्दर संबंधित को प्रेषित की जाती है और आवेदक पुलिस कार्यवाही से सन्तुष्ट है कि नहीं इसका फिडबैक भी पुलिस कार्यालय के आईजीआरएस सेल नियुक्त कर्मचारीगण द्वारा लिया जाता है, जिससे की गयी जांच एवं पुलिस कार्यवाही की गुणवत्ता ठीक होती है।

प्रभारी आईजीआरएस सेल उ0नि0 सुरेश कुमार राय, उ0नि0 संतोष कुमार सिंह, मु0आ0 रमेश विश्वकर्मा, आ0 आकाश कुमार, आ0 अजीत कुमार, आ0 विकास कुमार, आ0 विवेक कुमार, आ0 कौशल कुमार कठेरिया।

दुर्गावती इंटरनेशनल स्कूल एण्ड कॉलेज में धूमधाम से मनाया गया शिक्षक दिवस

प्रयागराज। दुर्गावती इंटरनेशनल स्कूल एण्ड कॉलेज की सभी शाखाओं में धूमधाम के साथ शिक्षक दिवस मनाया गया।

छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कर्यक्रम, आर्ट, भाषण एवं फैन्सी ड्रेस आदि कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विद्यालय के चेयरमैन सुशील मिश्रा ने छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुये कहा की यह विशेष दिन डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस के रूप में मनाया गया, जो देश के द्वितीय राष्ट्रपति और महान शिक्षाविद् थे। शिक्षकों की भूमिका को राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण बताया और विद्यार्थियों को उनके आदर्शों पर चलने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के दौरान प्रबंधक डॉ स्वतंत्र मिश्रा बच्चों साथ भेट देकर प्रधानाचार्य विशाखा एवं सभी शिक्षकों को सम्मानित किया, कार्यक्रम का संचालन अक्षत, अलका, अदिति एवं शिक्षक असमित मिलकर धन्यवाद ज्ञापित किया।

डीएम ने की कर-करेत्तर एवं राजस्व कार्यों की समीक्षा

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने उदयन सभागार में कर-करेत्तर एवं राजस्व कार्यों की समीक्षा की।

ज्ञात हो कि जिलाधिकारी ने वाणिज्यकर की समीक्षा के दौरान लक्ष्य के सापेक्ष राजस्व वसूली न पाए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए उपायुक्त वाणिज्यकर से कहा कि आगामी माह में राजस्व वसूली में प्रगति न पाए जाने पर वेतन रोकने की कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने आबकारी, स्टाम्प व रजिस्ट्रेशन, परिवहन, खनन, वन विभाग, मण्डी, नगर-निकाय एवं विद्युत विभाग में राजस्व वसूली की समीक्षा के दौरान संबंधित अधिकारियों को लक्ष्य के सापेक्ष राजस्व वसूली में प्रगति सुनिश्चित करने तथा और अधिक प्रवर्तन कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने उप जिलाधिकारियों को विकास खण्ड से समन्वय कर डिजीटल क्रॉप सर्वे में प्रगति लाने एवं मण्डी में प्रवर्तन कार्य करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने आर.सी. वसूली में लापरवाही बरतने पर तहसीलदार सिराथू व चायल को कारण बताओं नोटिस जारी करने एवं सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी का एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश दिए। उन्होंने चकबंदी कार्यों की समीक्षा के दौरान चकबंदी आधिकारियों को वादों के निस्तारण में प्रगति लाने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने आई.जी.आर.एस. के अंतर्गत प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की स्थिति की समीक्षा के दौरान शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही पाए जाने पर आबकारी निरीक्षक मंझनपुर, लिपिक नगर पंचायत चायल, खनन निरीक्षक, अधिशासी अभियंता विद्युत मंझनपुर, अधिशासी अधिकारी भरवारी व पश्चिम शरीरा, अधिशासी अधिकारी मंझनपुर को प्रतिकूल प्रविष्टि देने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने अधिशासी अभियंता चायल का वेतन रोकने एवं अधिशासी अधिकारी भरवारी का अग्रिम आदेश तक वेतन रोकने के निर्देश दिए।

बैठक में अपर जिलाधिकारी शालिनी प्रभाकर व प्रबुद्ध सिंह, सभी उप जिलाधिकारीगण एवं तहसीलदारगण सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

डीएम एवं एसपी ने बारावफात त्यौहार को सकुशल एवं शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने के लिए विभिन्न स्थानों का भ्रमण कर लिया शान्ति एवं कानून व्यवस्था का जायजा

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी एवं पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने जनपद में बारावफात त्यौहार को सकुशल एवं शांतिपूर्ण सम्पन्न कराए जाने के लिए मूरतगंज सहित अन्य स्थानों का भ्रमण कर शान्ति एवं कानून व्यवस्था का जायजा लिया। ज्ञात हो कि जिलाधिकारी ने भ्रमण के दौरान संभ्रांत नागरिकों/स्थानीय लोगों से वार्ता कर त्यौंहार को आपसी सौहार्द के साथ मनाने की अपील करते हुए कहा कि अफवाहों पर ध्यान न दिया जाय। इसके साथ ही उन्होंने ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

पीएम मोदी के समुद्री विजन को मिली गति, सोनोवाल ने हरित हाइड्रोजन प्लांट से देश को दी नई ताकत

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने शुक्रवार को वी ओ चिदंबरनार (वीओसी) बंदरगाह पर एक हरित हाइड्रोजन पायलट संयंत्र का उद्घाटन किया और कई बंदरगाह परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इस कार्यक्रम में बोलते हुए, सोनोवाल ने कहा कि सागरमाला कार्यक्रम नए मछली पकड़ने वाले बंदरगाहों के माध्यम से तटीय समुदायों की आजीविका में सुधार कर रहा है। उन्होंने कहा कि सागरमाला के माध्यम से, हमने कूंथूकल, पोम्पुहार, सिनामोटन और मुकाइयार्ड में चार प्रमुख मछली पकड़ने वाले बंदरगाहों का आयोजन किया है, जिससे हमारे तटीय समुदायों के लिए बेहतर आजीविका का सृजन हुआ है।

सोनोवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में समुद्री नवाचार और कनेक्टिविटी भारत की विकास गाथा में तमिलनाडु की भूमिका को बदल रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, हम वाणिज्य, कनेक्टिविटी, नवाचार और सहयोग के माध्यम से उस विरासत को पुनः प्राप्त कर रहे हैं। समुद्री क्षेत्र में नवाचार ने भी तमिलनाडु में अपनी जगह बनाई है। सोनोवाल ने कहा कि आईआईटी चेन्नई स्थित राष्ट्रीय बंदरगाह, जलमार्ग और तट प्रौद्योगिकी केंद्र ने महत्वपूर्ण इंजीनियरिंग समाधान प्रदान किए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि चेन्नई ने नवाचार और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए अपनी तरह का पहला समुद्री हैकाथॉन मैराथन 2025 भी आयोजित किया। उन्होंने कहा कि आईआईटी चेन्नई में स्थापित राष्ट्रीय बंदरगाह, जलमार्ग और तट प्रौद्योगिकी केंद्र पहले ही कई इंजीनियरिंग समाधान प्रदान कर चुका है। हाल ही में, पूरे क्षेत्र में नवाचार, समस्या-समाधान और सहयोग को गति देने के लिए चेन्नई में अपनी तरह का पहला समुद्री हैकाथॉन मैराथन 2025 शुरू किया गया।

पीडीए के पैनल अधिवक्ता नियुक्त हुए अजित द्विवेदी

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के अधिवक्ता अजित द्विवेदी को प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) ने मुकदमों की पैरवी के लिए अपने अधिवक्ता पैनल में शामिल किया है। प्रयागराज विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डा अमित पाल शर्मा के अनुमोदन पर विधि अधिकारी की ओर से यह आदेश जारी किया गया है। पत्र के मुताबिक पैनल अधिवक्ता अजित द्विवेदी प्राधिकरण के खिलाफ उच्च न्यायालय में दाखिल होने वाले मुकदमों की पैरवी करेंगे। अजित द्विवेदी को बधाई देने वालों में उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता और बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष राधाकांत ओझा, शिवेंदु ओझा, अखिलेश सिंह, अखिलेश्वर नाथ पांडेय, आशीष ओझा, ललित पांडेय, शिवेंद्र प्रताप सिंह और आदित्य दुबे शामिल रहे।

शुद्धि-सूचना

सर्वधारण का सूचित किया जाता है कि अवनी सिह (AWANI SINGH) के जन्म प्रमाण पत्र में त्रुटिवश अवनी अंकित है जो कि गलत है, जबकि सही नाम अवनी सिह (AWANI SINGH) है जो कि स्कूल आई0डी0 कार्ड व अंकपत्र में भी अंकित है, वास्तव मे उपरोक्त जन्म प्रमाण पत्र के लिखत-पढ़त में अवनी सिह को ही सत्य माना जाए जो कि मेरी निजानकारी मे सन्न, व सही हैं।

डा0 अंजू पाल
पत्नी ड़ा0 कृष्ण प्रताप सिंह
निवासिनी-छतनाग मार्ग, मायापुरी कॉलोनी नैका
झूसी प्रयागराज उ0प्र0।

उपमुख्यमंत्री शिक्षक दिवस के अवसर पर जिला पंचायत सभागार में आयोजित कार्यक्रम में हुए सम्मिलित

छात्रों के भविष्य को बनाने एवं देश के विकास में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका-उपमुख्यमंत्री

शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाले शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उपमुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश केशव प्रसाद मौर्य शुक्रवार को जिला पंचायत के सभागार में शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति डॉ0 सर्वपल्ली राधाकृष्णन, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाले 513 शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

आयोजित कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अपने उद्बोधन में कहा कि गुरू का स्थान भगवान से भी ऊपर माना गया है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज को शिक्षा के क्षेत्र में पूरब का ऑक्सफोर्ड कहा गया है। प्रयागराज शिक्षा के हर क्षेत्र में प्रतिभाओं को उभारने का केंद्र रहा है। उन्होंने कहा कि कोई भी देश शिक्षा के बिना उन्नति नहीं कर सकता है और शिक्षा की मजबूत नीव डालने का काम आप शिक्षकों के द्वारा किया जाता है। उन्होंने कहा कि सरकार के द्वारा नकल माफियाओं के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जा रही है। आज हमारा मुकाबला देश के अलग-अलग प्रदेशो से नहीं है, बल्कि हमारा मुकाबला दुनिया के टॉप देशो के साथ है। उन्होंने सभी गुरूजनों को प्रणाम करते हुए कहा कि दुनिया का कोई भी क्षेत्र हो, हर क्षेत्र में आपकी शिक्षा व आर्शीवाद के कारण हमारे देश की प्रतिभाओं ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने का काम किया है। आज अंतरिक्ष की बात हो, तो वहां भी भारत का तिरंगा फहरा रहा है। उन्होंने कहा कि धरती पर तो भारत की जय-जयकार हो ही रही है। धरती के अतिरिक्त अंतरिक्ष में भी हमारे वैज्ञानिकों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने का कार्य किया है। उपमुख्यमंत्री ने ग्रुप कैप्टन सुभ्रांशु शुक्ला की उपलब्धियों की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने ग्रुप कैप्टन सुभ्रांशु शुक्ला से मुलाकात के समय कहा था कि बहुत जल्द ही अंतरिक्ष में भारत का भी अपना स्पेस स्टेशन स्थापित होगा। उन्होंने कहा कि अभी तक चंद्रमा के दक्षिणी क्षोर पर दुनिया का कोई देश नहीं पहुंचा है, वहां पर सबसे पहले भारत पहुंचा और अपना तिरंगा फहराया है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि देश के विकास में शिक्षकों की भूमिका बहुत बड़ी होती है। उन्होंने कहा कि आपकी भूमिका के बगैर कोई भूमिका होती ही नही, जब आप अपनी भूमिका का निर्वहन करते है, तो देश कहां से कहां पहुंच जाता है। उपमुख्यमंत्री ने कहा आप विद्यार्थिंयों को स्वदेशी सामानों का उपयोग करने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि जो व्यापार करते है, वे स्वदेशी सामान ही बेंचे। उन्होंने कहा कि भारत को 2047 तक विकसित भारत बनाना है, भ्रष्टाचार से मुक्त भारत बनाना है। सम्पूर्ण प्रतिभाओं से पूर्ण भारत बनाना है, इसमें आप सभी शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी, जिस प्रकार से आप छात्रों को शिक्षा व संस्कार देंगे एवं बच्चों को तैयार करने का काम करेंगे, वे बड़े होकर अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि आप सब की यह भी जिम्मेदारी है कि छात्र मोबाइल का उपयोग अच्छे कार्यों में करें, इसके लिए आप सभी बच्चों को प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि छात्रों के भविष्य को संवारने में शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा और शिक्षक हमारी डबल इंजन की सरकार की शीर्ष प्राथमिकता में है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति से शिक्षा के क्षेत्र में काफी सुधार देखने को मिला है। उन्होंने कहा कि आज देश प्रधानमंत्री व प्रदेश मुख्यमंत्री के नेतृत्व में काफी तेसे विकास के पथ पर अग्रसर हुआ है। कहा कि सरकार का लक्ष्य गरीब को अमीर बनाना एवं गरीब के बच्चो को शिक्षित बनाना है, उनको राष्ट्र की मुख्यधारा का हिस्सा बनाना है। उन्होंने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था आज पूरे विश्व में चौथे नम्बर की अर्थव्यवस्था है, जिसे 2027 तक तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि इसके लिए हम सभी को स्वदेशी को अपनाना होगा। उन्होंने कहा कि विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में आप सभी शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका है और आप सभी संस्थान में पढ़ रहे बच्चों को इसके लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि आज हम हर क्षेत्र में तेसे विकास कर रहे है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रयागराज आज विकास के एक नए मुकाम पर आगे बढ़ रहा है। प्रयागराज के और विकास के लिए आप सभी का सुझाव एवं मार्गदर्शन अपेक्षित है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज के विकास के लिए प्रदेश के विकास के लिए सरकार का खजाना खुला हुआ है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने भ्रष्टाचार मुक्त परीक्षाओं को सम्पन्न कराने का काम किया है। उममुख्यमंत्री ने सभी शिक्षकों को एक बार फिर बधाई एवं शुभकामनाएं देते है कहा कि आप सभी की जो भी समस्यायें है, वे हमारे संज्ञान में है, उन समस्याओं का समाधान कराया जायेगा। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ0 वी0के0 सिंह, विधायक फूलपुर दीपक पटेल, विधायक फाफामऊ गुरू प्रसाद मौर्य, विधान परिषद के सदस्य सुरेन्द्र चौधरी, पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ0 नरेन्द्र सिंह गौड़ व अन्य जनप्रतिनिधिगणों के अलावा बड़ी संख्या में शिक्षकगण उपस्थित रहे।

शिक्षक दिवस पर जनहितकारी इंटरमीडिएट कॉलेज में भव्य समारोह आयोजित

मंत्र भारत संवाददाता

कोखराज। जनहितकारी इंटरमीडिएट कॉलेज, चाकवन चौराहा, में शिक्षक दिवस के अवसर पर एक गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भारत के पूर्व राष्ट्रपति और महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती की स्मृति में मनाया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुई। इसके पश्चात छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से शिक्षकों को सम्मानित किया। नृत्य, कविता पाठ, नाटक और भाषण जैसे विविध कार्यक्रमों ने उपस्थित सभी लोगों का मन मोह लिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य सत्य नारायण सिंह ने अपने संबोधन में कहा की शिक्षक केवल ज्ञान का स्रोत नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की नींव होते हैं। हमें अपने शिक्षकों का सम्मान करना और उनके मार्गदर्शन में आगे बढ़ना चाहिए। इस अवसर पर वरिष्ठ शिक्षकों को स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस आयोजन ने विद्यार्थियों के भीतर शिक्षकों के प्रति सम्मान और प्रेरणा की भावना को और गहरा किया। इस अवसर पर नीलम सिंह, प्रीति सिंह, रिचा सिंह, राकेश पाठक, उदय सिंह, प्रिया, रंजना, अमिता, वैशाली, अदीबा, सुबेश, दीपिका, विनोद आदि शिक्षक-शिक्षिका उपस्थित रहे।

भाषण प्रतियोगिता में गूँस्वच्छता की गूंज', यह आयोजन रहा शून्य अपशिष्ट यानी जीरो वेस्ट इवेंट

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। शिक्षक दिवस पर नगर निगम प्रयागराज और श्रृष्टि वेस्ट मैनेजमेंट सर्विस द्वारा 'स्वच्छता का पाठ, गुरु-शिष्य परंपरा के साथ' भाषण प्रतियोगिता का आयोजन शिक्षक दिवस के अवसर पर नगर निगम प्रयागराज एवं इंदौर की संस्था श्रृष्टि वेस्ट मैनेजमेंट सर्विस के संयुक्त तत्वावधान में नगर निगम सभागार में भाषण प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया।

इस विशेष आयोजन में शहर के 85 विद्यालयों से छात्र-छात्राएँ और उनके अभिभावक और शिक्षक, कुल मिलाकर लगभग 250 लोग सम्मिलित हुए। यह सभी विद्यालय नगर निगम प्रयागराज द्वारा बनाए गए स्वच्छ सारथी क्लब से जुड़े हुए हैं। अब तक 120 विद्यालयों में ऐसे क्लब गठित किए जा चुके हैं, जो विद्यालय परिसर के साथ-साथ सामुदायिक स्वच्छता के लिए भी संकल्पित हैं।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों और निर्णायक मंडल द्वारा डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुआ।

इसके उपरांत हेड ऑफ आईईसी, कृष्ण कुमार मौर्य ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए प्रतिभागियों को प्रतियोगिता के नियम एवं शर्तों की जानकारी दी और स्वच्छ सारथी क्लब की भूमिका पर प्रकाश डाला। यह कार्यक्रम स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) के शून्य अपशिष्ट आयोजन गाइडलाइन के अनुरूप आयोजित किया गया।

बैनर कपड़े के बने थे, नाश्ते में सिंगल-यूज़ प्लास्टिक का उपयोग शून्य रहा। बोतलें, प्लेटें और अन्य सामग्री स्टील की प्रयोग में लाई गईं। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों और निर्णायकों को सहायक नगर आयुक्त सुदीपशिखा पांडे ने स्मृति चिन्ह और स्वच्छता किट भेंटकर सम्मानित किया।

श्रृष्टि वेस्ट मैनेजमेंट सर्विस के अशोक पटेल ने कचरा पृथक्करण और वैज्ञानिक निस्तारण पर जानकारी दी। इस दौरान कार्यक्रम में नगर निगम प्रयागराज के अधिकारी श्रृष्टि वेस्ट मैनेजमेंट सर्विस के रोहित चंदेल, रजत जाटव नगर निगम से दिग्विजय सिंह, सत्यम पाल इत्यादि लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में शामिल सभी 250 प्रतिभागियों को स्टील की बोतल, टिफिन, डायरी, पेन और कपड़े का झोला देकर सम्मानित किया गया। यह आयोजन प्रयागराज की स्वच्छता को नई दिशा देने की दिशा में एक और सशक्त कदम सिद्ध हुआ।

शिक्षक दिवस परआज सपा कार्यालय में गोष्ठी आयोजित

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। शिक्षक दिवस पर आज सपा के जिला कार्यलय जार्ज टाउन में गोष्ठी आयोजित कर देश के दूसरे राष्ट्र पति, शिक्षा विद डॉ सर्व पल्ली राधाकृष्णन को उनके देश हित में किये गए महत्वपूर्ण कार्य को याद किया गया। शिक्षा के महत्व एवं सामाजिक निर्माण में शिक्षकों के योगदान को विशेष बताते हुए कहा गया कि शिक्षा व्यक्ति को जागरूक ही नहीं जिम्मेदार भी बनाती है। वर्तमान में इस सोसल मीडिया के युग में शिक्षकों की भूमिका और अधिक बढ़ जाती है। जिसे हर शिक्षक को समझना होगा।

इस मौके पर पूर्व राष्ट्र पति स्व डॉ सर्व पल्ली राधा कृष्णन के चित्र पर फूल अर्पित कर नमन किया गया। गोष्ठी में सर्व जिलाध्यक्ष अनिल यादव, महानगर अध्यक्ष सैयद इफ़्तेख़ार हुसैन, पूर्व विधायक सत्यवीर मुन्ना, दूधनाथ पटेल, रविन्द्र यादव, महेन्द्र निषाद, शांति प्रकाश, ओ पी पाल, लालचंद्र कुशवाहा, महबूब उस्मानी, तेज बहादुर भारतीय, सुरेश कुमार, जगदीश यादव, देवीलाल, राकेश सिंह, सी एल यादव, नेहा सोनी, पारुल मिश्रा आदि ने अपने विचार व्यक्त किया।

मुक्त विश्वविद्यालय में कुलपति ने किया शिक्षकों का सम्मान

राग द्वेष से ऊपर उठकर कार्य करें शिक्षक - प्रोफेसर सत्यकाम

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वाविद्यालय में शिक्षक दिवस के अवसर पर कुलपति ने शिक्षकों को सम्मानित किया। सरस्वती परिसर स्थित तिलक सभागार में उपस्थित सभी शिक्षकों का कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। सम्मान के क्रम में सभी प्राध्यापकों पर पुष्प वर्षा की गयी। शिक्षक दिवस के पुनीत अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी प्राध्यापकों ने भी कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम का एन आई आर एफ रैंकिंग में तीसरा स्थान प्राप्त करने पर स्मृति चिह्न, अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ से स्वागत किया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने

सभी अध्यापकों से मेहनत कर विश्वविद्यालय को उन्नत शिखर पर ले जाने का आह्वान किया। कुलपति ने कहा कि गुरु हमेशा प्रकाश दिखाता है, अंधकार को मिटाता है। वह स्वयं जल कर दूसरों को प्रकाशित करता है। उन्होंने कहा कि राग, द्वेष, रंग, समुदाय की भावना से ऊपर उठकर एक शिक्षक के रूप में काम करें, एक शिक्षक के रूप में किया गया काम विश्वविद्यालय को आगे ले जाएगा। एक शिक्षक अपने कर्तव्य के दायित्व का निर्वहन करेगा तो राष्ट्र का उत्थान होगा और 2047 में विकसित भारत का सपना साकार होगा।

मुख्य वक्ता प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी ने वर्तमान में शिक्षक की भूमिका, कर्तव्य एवं दायित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत में गुरु शिष्य परंपरा प्राचीन काल से काफी समृद्ध रही है। समारोह में शोध छात्रों ने भी कुलपति को पुष्प देकर स्वागत किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आयोजित त्रिदिवसीय खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं को कुलपति प्रोफेसर सत्य काम ने पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर एस कुमार ने प्रारंभ में कुलपति का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डॉ आनंदानंद त्रिपाठी ने तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर संजय सिंह ने दिया।

नाज़िया सुल्ताना को उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। शिक्षक दिवस पर उच्च प्राथमिक विद्यालय सुजौना जसरा प्रयागराज की शिक्षिका नाज़िया सुल्ताना को जनपद स्तर पर उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया। उन्हें यह पुरस्कार जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी देवब्रत सिंह ने समग्र शिक्षा विभाग प्रयागराज में उन्हें अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।वह विकास खंड जसरा से सम्मानित होने वाली एक मात्र शिक्षिका थी। उन्हें मीना मंच के बेहतरीन संचालन बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने व विद्यालय में बच्चों के ठहराव में योगदान के लिए उन्हें सम्मानित किया गया।उनके सम्मानित होने पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्यामाकांत द्विवेदी, शिक्षक भारतेन्द्र त्रिपाठी, सुनील कुमार शुक्ल, इरफ़ान अहमद, जितेन्द्र कुमार शर्मा, आशीष कुमार गुप्ता शरद कुमार शिशिर जायसवाल, राकेश कुमार, पूनम तिवारी, पंकज कुमार गुप्ता ने हर्ष व्यक्त किया और उन्हें बधाई दिया।

ब्रह्माकुमारीज द्वारा आयोजित राजयोग शिविर में प्रोफेसर ई वी गिरीश होंगे मुख्य वक्ता

प्रयागराज। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के तत्वाधान में धनुआ स्थित सद्भावना भवन में तीन दिवसीय राजयोग शिविर का आयोजन 6 से 8 सितंबर तक किया गया है।

राजयोग शिविर का विषय जीवन में चमत्कारिक परिवर्तन रखा गया है जिसमें मुख्य वक्ता के तौर पर मुंबई से पधारे प्रख्यात अंतरराष्ट्रीय काउंसलर ब्रह्माकुमार प्रोफेसर ई वी गिरीश शामिल होंगे।

ब्रह्माकुमारीज की क्षेत्रीय निदेशिका मनोरमा दीदी ने बताया कि प्रोफेसर गिरीश मुंबई विश्वविद्यालय में पिछले 10 साल से ज्यादा समय से पढ़ा रहे हैं एवं भारत के विभिन्न संस्थाओं जैसे कि आईआईटी मुंबई, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्र सहित भारतीय थल सेना, वायु सेवा एवं जल सेना के विभिन्न कार्यक्रमों में मुख्य वक्ता एवं ट्रेनर के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। गिरीश भाई को 25 साल से ज्यादा का आध्यात्मिक एवं मनोवैज्ञानिक ट्रेनिंग का अनुभव है। गिरीश भाई के इस व्यापक अनुभव का लाभ प्रयागराज वासियों को दिलाने के उद्देश्य से यह राजयोग शिविर आयोजित किया गया है जिसमें 6 से 8 सितंबर, शाम को 6 से 8:00 बजे तक वह विभिन्न व्याख्यानों एवं अभ्यासों के द्वारा हम सभी को आध्यात्मिक जगत की गहराइयों में ले जाएंगे। मनोरमा दीदी ने बताया कि उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में शहर के महापौर गणेश चंद्र केसरवानी एवं शहर के अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित होंगे, उन्होंने जनपद वासियों को ज्यादा से ज्यादा संख्या में सम्मिलित होकर उपरोक्त कार्यक्रम का लाभ उठाने का आग्रह किया।

शिक्षक जीवन जीने की कला भी सिखाते हैं : खंड शिक्षा अधिकारी

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। उच्च प्राथमिक विद्यालय थरवई में शुक्रवार को शिक्षक दिवस समारोह बड़े ही उत्साह और भव्यता के साथ मनाया गया। विद्यालय परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर मुख्य अतिथि खंड विकास अधिकारी सुभाष चंद्र, विशिष्ट अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी सुमन मिश्रा, भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. भगवान प्रसाद उपाध्याय एवं प्रदेश संरक्षक डॉ. बालकृष्ण पांडे ने संयुक्त रूप से किया।

समारोह में मौजूद अतिथियों ने शिक्षकों की भूमिका और शिक्षा के महत्व पर अपने विचार रखे।मुख्य अतिथि खंड विकास अधिकारी सुभाष चंद्र ने कहा कि शिक्षक समाज के वास्तविक मार्गदर्शक होते हैं। राष्ट्र निर्माण और प्रगति की नींव शिक्षक ही रखते हैं। उन्होंने कहा कि आज के बदलते समय में शिक्षकों की जिम्मेदारी और भी बढ़ गई है। शिक्षा के साथ-साथ बच्चों में संस्कार और नैतिक मूल्यों का संचार करना ही सच्चे शिक्षक का दायित्व है।

विशिष्ट अतिथि सुमन मिश्रा ने कहा कि गुरु केवल ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि जीवन जीने की कला भी सीखते हैं उन्होंने शिक्षकों से आग्रह किया कि वे बच्चों को अनुशासन, संस्कार और सामाजिक जिम्मेदारी का पाठ पढ़ाएं, ताकि आने वाली पीढ़ी मजबूत और मूल्य आधारित बन सके।

डॉ. भगवान प्रसाद उपाध्याय ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षक ही राष्ट्र निर्माण के सच्चे शिल्पकार हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षकों का सम्मान केवल एक दिन नहीं, बल्कि हर दिन होना चाहिए। शिक्षक के बिना किसी भी समाज की कल्पना अधूरी है।

डॉ. बालकृष्ण पांडे ने कहा कि शिक्षा वह साधन है, जो व्यक्ति को अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाती है। शिक्षक बच्चों को केवल विद्या ही नहीं देते, बल्कि उन्हें अच्छे नागरिक बनाने का कार्य भी करते हैं। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन निष्ठा और ईमानदारी से करें।समारोह में बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे। प्रमुख रूप से कला देवी, आशा देवी, गायत्री देवी, दिनेश चंद्र शुक्ला, दिनेश चंद्र पांडे, आशा पटेल, राजेंद्र गिरी, रमेश शुक्ला, मत्स्येंद्र द्विवेदी, प्रतिभा त्रिपाठी, वीना मिश्रा, कंचन शर्मा, डॉ आर डी तिवारी, अर्चना पांडे, धर्मराज यादव, अंजना यादव, शिवचंद यादव, सौरभ त्रिपाठी, अल्पना सिंह, अतुल कुशवाहा, वेद मणि पांडे, विजय प्रकाश गुप्ता सहित कई शिक्षक मौजूद रहे।ग्राम प्रधान राजेश कुमार ने भी कार्यक्रम में भाग लेते हुए कहा कि समाज और गांव के विकास में शिक्षकों की अहम भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। गीत, कविता, नृत्य और नाटक के माध्यम से बच्चों ने अपने शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रस्तुतियों ने उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया और कार्यक्रम की गरिमा को और अधिक बढ़ा दिया।समारोह का संचालन विद्यालय के शिक्षकों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

सम्पादकीय

सिगरेट-गुटखा महंगे, दाल-घी सस्ते सरकार के नये जीएसटी फॉर्मूले में नशेबाजों को झटका, आम आदमी को राहत

पिछले कई वर्षों से माल एवं सेवा कर यानी जीएसटी प्रणाली और इसकी दरों को लेकर सवाल उठ रहे थे, लेकिन इस मसले पर सरकार के भीतर कोई खास उत्साह नहीं दिख रहा था। नतीजतन, ऐसी बहुत सारी वस्तुओं पर भी कर के रूप में लोगों को नाहक ही ज्यादा रकम चुकानी पड़ रही थी, जिन्हें अनिवार्य आवश्यकताओं के रूप में जाना जाता है। अब आखिरकार सरकार ने जीएसटी की दरों में बड़े बदलाव की घोषणा की है और इसे आम जनता के लिए भारी राहत के तौर पर पेश किया जा रहा है।

हालांकि कई वस्तुओं और सेवाओं पर अब तक लागू कर की दरों में जिस तरह कमी की गई है, उससे अर्थव्यवस्था को भी गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। इसके तर्कसंगत होने को लेकर जिस तरह के सवाल उठते रहे हैं, उसमें यह निश्चित रूप से एक बड़ा बदलाव है, लेकिन विपक्षी दलों ने इसे बहुत देर से उठाया गया कदम बताया है।

गौरतलब है कि बुधवार को जीएसटी परिषद की बैठक में जिन नई दरों को मंजूरी दी गई, उसके तहत बारह फीसद और अट्ठाईस फीसद के स्तर को खत्म कर दिया गया है और अब सिर्फ पांच और अठारह फीसद की दर लागू रहेगी। मगर कुछ खास वस्तुओं पर जीएसटी को चालीस फीसद तक बढ़ा दिया गया है। इसी महीने की बाईस तारीख से लागू होने वाले करों के नए ढांचे में जो बदलाव किए गए हैं, उसके तहत लोगों के लिए आम उपयोग में आने वाली वस्तुओं और सामान्य सेवाओं के मामले में काफी राहत दी गई है।

मसलन, खाद्य और डेयरी उत्पाद, दवाएं, तेल, घी, सूखे मेवे, चपाती आदि रोजमर्रा के इस्तेमाल में आने वाली कई उपयोगी चीजों को पांच फीसद के कर-ढांचे में डाला गया है। जबकि जीवन-बीमा सहित कुछ जीवनरक्षक दवाओं पर जीएसटी शून्य कर दी गई है। वहीं, वातानुकूलन यंत्र, टीवी, प्रोजेक्टर सहित कई इलेक्ट्रोनिक चीजों को अठारह फीसद के स्तर में लाया गया है। इससे इतर, बड़े आकार वाली महंगी कारों के साथ-साथ पान मसाला, सिगरेट, गुटखा और कैफीनयुक्त पेय जैसी कुछ चीजों पर अब चालीस फीसद जीएसटी तय की गई है।

जाहिर है, नए ढांचे का मकसद आबादी के एक बड़े हिस्से के खर्च और उपभोग को राहत के दायरे में लाकर अर्थव्यवस्था को रफ्तार देना है। यह एक आम हकीकत है कि अगर कोई वस्तु लोगों की आय के मुताबिक क्रयशक्ति की सीमा में होती है, तभी वे उसे खरीदने या उसके उपयोग को लेकर सहज होते हैं। कर की दरों में कमी के बाद वस्तुओं या सेवाओं की कीमतों में जो अंतर आएगा, आम इस्तेमाल में आने वाली चीजों की महंगाई में गिरावट आएगी, उससे बड़ी संख्या में लोग उसके उपभोग के दायरे में आ जाएंगे।

बाजार में मांग बढ़ने से उत्पादन में बढ़ोतरी होगी और इस तरह आर्थिक मोर्चे पर अमेरिकी शुल्कों से जो चुनौती पैदा हुई है, उसका सामना करने की दिशा में विकल्प भी तैयार होंगे। यों करीब आठ वर्ष पहले जब जीएसटी को लागू किया गया था, तभी से समय-समय पर अनेक उत्पादों पर कर की दरों में कुछ बदलाव किए गए, लेकिन कई अन्य उत्पादों पर कटौती की मांग होती रही। अब जीएसटी में बदलाव की घोषणा तो हो गई है, लेकिन राज्यों की ओर से जिस तरह राजस्व क्षतिपूर्ति के लिए समय देने की मांग उठी है, उसके मद्देनजर यह देखने की बात होगी कि सरकार इस संबंध में कौन-सा रास्ता निकालती है!

एसआईआर की प्रक्रिया जारी रहने का आदेश स्वागतयोग्य

बिहार में चुनाव आयोग की ओर से शुरू की गई मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया लगातार चर्चा में है। जहां एक तरफ इसे लेकर शुरू की गई कांग्रेस नेता राहुल गांधी और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव की वोटर अधिकार यात्रा सोमवार को पटना में विपक्षी नेताओं की रैली के साथ समाप्त हुई, वहीं सुप्रीम कोर्ट ने इसे लेकर नए आदेश जारी करते हुए मतदाता सूची सुधार का कार्य आगे भी जारी रहने का निर्देश जारी किये हैं, यह निर्देश स्वागतयोग्य है। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि यह पूरा प्रकरण आखिरकार कैसा मोड़ लेगा और आगामी बिहार विधानसभा चुनाव पर किस तरह का असर डालेगा। सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को स्पष्ट कर दिया कि बिहार के मतदाता 1 सितंबर के बाद भी दावा या आपत्ति कर सकेंगे। यह निर्देश बहुत जरूरी है, क्योंकि अभी भी राजनीतिक दलों की शिकायतें दूर नहीं हुई हैं। ज्यादातर आम लोगों की शिकायतों का निवारण कर दिया गया है, पर कुछ राजनीतिक पार्टियों के लिए एसआईआर की खामी एक बड़ा मुद्दा है। महागठबंधन में शामिल दल इस मुद्दे में विवाद खड़े करने में ही अपने चुनावी हित देख रहे हैं। हालांकि, न्यायालय ने उचित ही बताया है कि मतदाता सूची के एसआईआर को लेकर असमंजस की स्थिति काफी हद तक 'विश्वास का मामला' है। इसका मतलब, जो राजनीतिक अविश्वास है, उसे दूर करने के लिए स्वयं दलों को सक्रिय होना पड़ेगा। न्यायालय की इस सलाह पर राजनीतिक दलों को गौर करना चाहिए और इस प्रक्रिया को सकारात्मक तरीके से आगे बढ़ाना चाहिए। क्योंकि चुनाव सुधार एक सामूहिक जिम्मेदारी है। अगर सभी राजनीतिक दल यह ठान लें, तो चुनाव में किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोका जा सकता है। वास्तव में, मतदाता पुनरीक्षण का काम राजनीतिक दलों को अपने स्तर पर लगातार जारी रखना चाहिए, इससे लोकतंत्र की मजबूती सुनिश्चित होगी एवं चुनाव की खामियों को सुधारा जा सकेगा।

वोटर अधिकार यात्रा के समापन के मौके पर आयोजित रैली में विपक्षी नेताओं ने जो कुछ कहा, उससे स्पष्ट है कि चुनाव आयोग की ओर से शुरू की गई इस प्रक्रिया के औचित्य को लेकर वे अभी आश्वस्त नहीं हैं। वैसे इस तरह की संवैधानिक प्रक्रियाओं को भी राजनीतिक रंग देना, विडम्बनापूर्ण है। इससे भी बड़ा दुर्भाग्यपूर्ण है विपक्षी नेताओं द्वारा कथित वोट चोरी का मुद्दा उठाते हुए चुनाव आयोग को आरोपों के दायरे में शामिल रखा जाना। ऐसा प्रतीत होता है कि विपक्षी नेता चुनाव आयोग और सरकार को घेरते हुए यह मुद्दा बार-बार उठाते रहेंगे। विपक्षी दल इस विषय में जिस तरह की नकारात्मकता दर्शा रहे हैं, वह भी प्रश्नों के घेरों में एवं अतिश्योक्तिपूर्ण है। क्योंकि यह अत्यंत सामयिक और संवेदनशील है। बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया, एक ओर मतदाता सूची को शुद्ध एवं पारदर्शी बनाने का प्रयास है, वहीं दूसरी ओर राहुल गांधी और तेजस्वी यादव द्वारा इस प्रक्रिया को चुनौती देते हुए 'वोटर अधिकार यात्रा' निकालना और चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था पर प्रश्नचिह्न खड़ा करना, लोकतंत्र की सेहत और स्थायित्व को धुंधलाता है।

सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई का जहां तक सवाल है तो वहां भी विपक्षी दल और चुनाव आयोग एक-दूसरे पर तीखे आरोप लगाते नजर आए। जहां विपक्षी दलों के वकील इस प्रक्रिया की खामियों की ओर कोर्ट का ध्यान दिलाते रहे, वहीं चुनाव आयोग के वकील ने साफ शब्दों में कहा कि समस्या इस प्रक्रिया में नहीं, बल्कि उस मानसिक सोच में है, जो आग्रह, पूर्वाग्रह एवं दुराग्रह से ग्रस्त है। उनके मुताबिक दूसरे पक्ष की मानसिकता ही खोट निकालने की हो गई है। इसमें दो राय नहीं कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले को यथासंभव उपयुक्त ढंग से आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। लेकिन यह देखना बाकी है कि चुनाव आयोग इस प्रक्रिया में सभी पक्षों का विश्वास जीतने और सभी योग्य मतदाताओं की आशंकाएं दूर करने में किस हद तक कामयाब हो पाता है।

निश्चित ही पुनरीक्षण की प्रक्रिया में अभी तक के अनुभव मिले-जुले रहे हैं। चुनाव आयोग की ओर से अदालत में पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने बताया कि राजनीतिक दल सूची में मतदाताओं को शामिल करने के दावों के बजाय उन्हें हटाने की मांग करते हुए आपत्तियां दर्ज करा रहे हैं। अगर चुनाव आयोग ने ज्यादा नाम काटे होते, तो नाम जोड़ने के लिए ज्यादा दावे होते। कांग्रेस को शायद अभी भी शिकायत है कि उसके एजेंटों के दावे पर गौर नहीं किया गया है। दूसरी ओर, चुनाव आयोग ने कहा है कि दावे यथोचित प्रारूप में नहीं किए गए हैं। ऐसे में, चुनाव आयोग को कुछ उदारता बरतते हुए अपनी सूची का हकीकत से मिलान करना चाहिए। बिहार में ही बड़ी पार्टियों के तमाम बूथ लेबल एजेंट (बीएलए) सक्रिय हो जाएं, तो मतदाता सूची को दोषरहित बना सकते हैं। सर्वोच्च न्यायालय की भी यही मंशा है। मतदाता सूची को लेकर विवादों में पड़े रहना हर प्रकार से अफसोसजनक होगा, इससे हमारे लोकतंत्र की गरिमा घटेगी। गौर करने की बात है कि शीर्ष अदालत के निर्देश पर सभी जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों और पैरा लीगल स्वयंसेवकों को पुनरीक्षण में लगाया जाएगा। वास्तव में, पुनरीक्षण जल्दी संपन्न होना चाहिए, ताकि बिहार चुनाव में देरी न होने पाए।

चुनाव आयोग भारतीय लोकतंत्र की रीढ़ है। इसका दायित्व केवल चुनाव कराना नहीं, बल्कि चुनाव की निष्पक्षता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता बनाए रखना भी है। मतदाता सूची में गड़बड़ी, डुप्लीकेट नाम, मृत व्यक्तियों के नाम, या फर्जी पंजीकरण जैसी समस्याएं अक्सर चुनावी निष्पक्षता पर प्रश्न उठाती रही हैं। ऐसे में एसआईआर जैसी प्रक्रिया को चुनाव आयोग द्वारा लागू करना आवश्यक कदम माना जा सकता है। लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या इस प्रक्रिया को शुरू करने से पहले पर्याप्त राजनीतिक परामर्श, जनजागरूकता और पारदर्शिता सुनिश्चित की गई थी? यदि ऐसा नहीं हुआ, तो राजनीतिक दलों का असंतोष स्वाभाविक है। इसमें कोई शक नहीं कि पुनरीक्षण के मामले ने बिहार की राजनीति को गरमा दिया है। बिहार आज निर्णायक मोड़ पर है। विशेष रूप से जन सुराज पार्टी के जो तेवर हैं, उससे बिहारी राजनीति के पूरे कलेवर पर असर पड़ सकता है। बिहार का विकासोन्मुख होना जरूरी है। इस जरूरत को बिहार में नया और पुराना विपक्ष ही नहीं, बल्कि सत्ता पक्ष भी नए सिरे से समझ रहा है। लोगों के लिए तो यही सबसे अच्छी बात होगी कि सभी राजनीतिक दल अपने मुद्दों में विकास और रोजगार, शिक्षा और चिकित्सा को सबसे ज्यादा तरजीह दें।

अब बड़ा प्रश्न है कि यदि सुप्रीम कोर्ट आयोग के पक्ष में निर्णय देती है, तो विपक्ष को अपने आंदोलन का औचित्य सिद्ध करना कठिन होगा। वहीं यदि अदालत को प्रक्रिया में खामियां मिलती हैं, तो आयोग की कार्यप्रणाली पर गहरे प्रश्न उठेंगे। विपक्ष की ओर से इसे सीधे लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बताना भी अतिशयोक्ति कहा जा सकता है, क्योंकि मतदाता सूची को शुद्ध करना लोकतांत्रिक प्रक्रिया का ही हिस्सा है। यदि ऐसे हर संवैधानिक कदम को राजनीतिक रंग देकर विवादित बना दिया जाए, तो लोकतंत्र में संस्थाओं की मजबूती के बजाय कमजोरी ही बढ़ेगी। एसआईआर जैसी पहल की केवल बिहार ही नहीं, समूचे देश में जरूरत है ताकि चुनाव प्रक्रिया भ्रष्टाचार और गड़बड़ियों से मुक्त हो सके। लेकिन इसकी सफलता तभी सुनिश्चित होगी जब यह निष्पक्ष, पारदर्शी और सर्वसम्मत तरीके से लागू हो। चुनाव आयोग को न केवल अपने कदमों की संवैधानिकता, बल्कि उसकी जनस्वीकार्यता भी सुनिश्चित करनी चाहिए। विपक्ष को भी इस प्रक्रिया को मात्र राजनीतिक हथियार बनाने के बजाय रचनात्मक संवाद के जरिए समाधान तलाशना चाहिए। लोकतंत्र केवल मतदाताओं की भागीदारी से नहीं, बल्कि संस्थाओं पर विश्वास से भी जीवित रहता है। इसलिए संस्थाओं की गरिमा और पारदर्शिता दोनों की रक्षा अनिवार्य है।

आजादी चाहिए तो मन से डर हटाइए

आजादी और मुक्ति का सच्चा अर्थ आज हमारे कहे-लिखे हुए केवल बोलचाल के शब्द ही हैं या वास्तविक स्वरूप में हमारे जन जीवन और अंतर्मन में जीवंत रूप से रचे-बसे सहज आपसी व्यवहार हैं? आजादी का मूल अर्थ भयमुक्त होना ही हो सकता है। जब तक मन निर्भय न हो, स्वाधीनता से सहज साक्षात्कार हो ही नहीं सकता। जो भयभीत होता है, वह स्वाधीनता के दर्शन के बारे कभी भी गहराई से सोच समझ ही नहीं पाता है।

स्वाधीनता और स्वावलंबन एक तरह से आपस में इस तरह घुले मिले हैं कि दोनों को समझे बिना या आत्मसात किए बिना इनकी जीवनी शक्ति को जाना नहीं जा सकता है। इस जगत में मनुष्य के अलावा बाकी सब स्वावलंबी है। इसीलिए मानवेतर सारे जीव-जंतुओं के सामने स्वाधीनता का सवाल कभी आया ही नहीं। मनुष्य ने अन्य मनुष्यों को पराधीन बनाया, परावलंबी और यंत्रवत भी बनाया। साथ ही साथ खुद भी परावलंबी बना और यंत्रवत बनने या यंत्र का आदी बनने की राह पर चल पड़ा है।

आधुनिक मनुष्य ने ही अपने मन में बसे लालच, लाचारी या भय के कारण स्वाधीनता की जगह पराधीनता का विस्तार करने वालों की गुलामी को भयभीत और मन से लाचार होकर अपनी स्वाधीनता को अपने ही हाथों खोकर पराधीनता को अपनाया। इस दृष्टि से समझें तो जो मनुष्य आत्मविश्वास से भरा है, वह स्वाधीन है और जो खुद पर भी विश्वास नहीं करता और भयग्रस्त रहता है, वह स्वाधीनता का अर्थ और मर्म नहीं जान सकता है।

स्वाधीनता को समझने से पहले यह समझना आवश्यक है कि मनुष्य पराधीनता को क्यों और कैसे स्वीकार या आत्मसात कर लेता है। इतनी लंबी मानव सभ्यता के इतिहास में स्वाधीनता के लिए तरह-तरह के संघर्ष हुए, कुर्बानियां दी गईं, जो आज भी कई रूप में जारी हैं। मानव मन में परावलंबन और मानसिक गुलामी की जड़ें भी शायद इतनी गहरी रची-बसी हैं कि मानव समाज में कहीं न कहीं किसी न किसी तरह की आजादी के लिए आज भी कहीं कोई मनुष्य या उसका समूह संघर्ष करता रहता है।

स्वाधीनता इतनी व्यापक और सहज अवधारणा है जो समझ तो जल्दी आ जाती है और अपने लिए हम चाहते भी हैं, पर अन्य के साथ व्यवहार करते समय हम कई किंतु-परंतु लगा लेते हैं। यहां आकर हम सिद्धांत और व्यवहार में उलझ जाते हैं। शायद यह हम सबके आपसी विश्वास और आत्मविश्वास में कमी के कारण या सही आकलन न कर पाने का दोष भी हो सकता है।

दरअसल, स्वाधीनता जीने का एक ढंग है, जिसमें आचरणगत मर्यादा और उत्तरदायित्व अंतर्निहित है। इसकी मौलिक संकल्पना के मूल में हवा और प्रकाश की तरह सहज, सरल स्वाधीनता की उपलब्धता है। पर ऐसा हम आज तक सुनिश्चित कर नहीं पाए और नतीजतन हम सबने स्वाधीनता में कई किंतु-परंतु लगाकर इसे व्यवस्थागत अवधारणा में बदल डाला है।

अब दुनियाभर की व्यवस्थाओं की अपनी-अपनी स्वाधीनता को लेकर व्याख्याएं हैं, जो स्वाधीनता की लक्ष्मणरेखा खींच कर इसकी मूल अवधारणा को ही बदल देती है। खुला मन, खुली सोच और समझ एक तरह से स्वाधीनता के लिए प्राणवायु की तरह हैं। लोकतांत्रिक समाज और व्यवस्था की आधारभूमि पर स्वाधीनता का स्वरूप निखरता है। यह कोई दिखावटी गहना नहीं है, बल्कि जीवन की जीवनी शक्ति या प्राणवायु है। भयग्रस्त मन स्वाधीनता की राह नहीं बनाता। मन का भय पराधीनता को ही लाचार भाव से जीवन की नियति बना बैठता है। हम कह सकते हैं कि स्वाधीनता भय के खिलाफ खुला विद्रोह है। मानव इतिहास गवाह है कि गुलामी का प्रतिरोध बहुत धीरे-धीरे होता है। इस धीमी गति का कारण असुरक्षित मनःस्थिति है। हमारा स्वानुशासन स्वाधीनता का विस्तार करता है। स्वाधीनता अपने आप में सीमातीत और बंधनमुक्त अवधारणा है। फिर भी व्यक्ति, समाज और व्यवस्था के आचरण में अनुशासन की मर्यादा का बिंदु आ जाता है। स्वानुशासन स्वयंस्फूर्त होता है, जबकि अनुशासन व्यवस्थागत संकल्पना है।

स्वाधीनता का अर्थ मनमर्जी और मनमानी से एकदम भिन्न है। स्वाधीनता मूल रूप से स्वाभिमान से जुड़ा विचार है जो व्यक्ति और समाज को निर्भय जीवन और सुरक्षित वातावरण बनाए रखने की आधारभूमि प्रदान करता है। एक सवाल यह भी उठता है कि ऐसा कैसे होता है कि मनुष्य ही मनुष्यों को पराधीन करने की योजना या रणनीति बनाकर मनुष्यों में भय फैलाता है और लोग लाचार या भयग्रस्त हो पराधीन हो जाते हैं।

पराधीनता के खिलाफ अलख जगाने का काम भी मनुष्य समूह ही करते हुए स्वाधीनता की लड़ाई लड़ने की शुरुआत करते हैं। पराधीनता की अति स्वाधीनता की भूख जगाती है और स्वाधीनता में अनमनापन, उदासी, लापरवाही पराधीनता को जन्म देती है। इस तरह स्वाधीनता यानी सदैव चौकस और संवेदनशील रहते हुए भयमुक्त जीवन है। यह मनुष्य की सभ्यता का मूल है और पराधीनता मानवीय असमर्थता की पराकाष्ठा। स्वाधीनता मानव मन की पूर्णता की प्रखर अभिव्यक्ति है। इससे परिपूर्ण मानव सभ्यता मानव-ऊर्जा का वैसा ही सकारात्मक स्वरूप है, जैसा प्राणवायु और सूर्यप्रकाश का प्राकृत स्वरूप होता है।

निर्भयता मन की स्वाधीन और प्राकृत स्थिति है। निर्भय मन ही निर्भय समाज और सभ्यता को आगे बढ़ाता है। भयभीत मनुष्य या समाज स्वाधीनता की रक्षा नहीं कर सकते, पर स्वाधीनता का विचार मनुष्य मन के सारे भयों को दूर करने का द्वार खोलते हैं। स्वावलंबन हमें न केवल व्यक्ति के रूप में, बल्कि सामूहिक रूप से भी स्वाधीनता और स्वाभिमान के साथ जीते रहने की निरंतर ऊर्जा देता है। स्वाधीनता हमारी मूल प्रवृत्ति है और निर्भयता स्वाधीनता का मूल है।

अमेरिका-चीन की टक्कर और रूस से रिश्तों पर सबकी नजर; किसके साथ खड़ा होगा भारत?

कूटनीति का एक प्रमुख दायित्व यह होता है कि वह अंतरराष्ट्रीय राजनीति में उभरते हुए शक्ति-संतुलन का मूल्यांकन करे और ऐसी रणनीति अपनाए, जिससे किसी भी क्षेत्रीय या वैश्विक शक्ति-प्रतिस्पर्धा में राष्ट्र के हित प्रभावित न हों। भारत की विदेश नीति की असल चुनौती यही है कि उसे अमेरिका की एकपक्षीय व्यापारिक नीतियों से पैदा हुए अविश्वास और वैश्विक अस्थिरता का सामना करते हुए भी रणनीतिक तथा आर्थिक हितों के बीच संतुलन बनाए रखना है। बदलती वैश्विक परिस्थितियों में आर्थिक, रणनीतिक, कूटनीतिक और विचारधारा के स्तर पर देश के दीर्घकालीन हितों की दृष्टि से इस पर समग्रता की जरूरत महसूस की जा रही है।

देश की आर्थिक प्रगति निर्बाध चलती रहे, इसलिए निर्यात और ऊर्जा आपूर्ति की सुचारु व्यवस्था कायम रखनी होगी। अमेरिका-चीन के बीच प्रतिस्पर्धा के भू-राजनीतिक प्रभावों को समझते हुए रणनीतिक हितों को सुरक्षित रखना होगा। बहुपक्षीय मंचों का कूटनीतिक उपयोग करते हुए भी महाशक्तियों की मोर्चाबंदी की कोशिशों से अलग रहना होगा और भारत की समाजवादी लोकतांत्रिक गणराज्य की पहचान बनाए रखने के लिए साझेदारी का चुनाव भी समझदारी से करना होगा।

शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन में बहुपक्षवाद को मजबूत बनाने के संदेश के बीच दुनिया के शांतिपूर्ण, समावेशी और टिकाऊ भविष्य की संभावनाएं पुतिन और शी जिनपिंग के नेतृत्व में खोजना राजनीतिक जटिलताओं को बढ़ा सकता है। इससे दुनिया की व्यवस्थागत समस्याएं भी बढ़ सकती हैं और भारत इससे अछूता नहीं रह सकता।

दरअसल, भारत की भौगोलिक स्थिति, आर्थिक आकांक्षाएं और सुरक्षा चुनौतियां इतनी जटिल हैं कि वह केवल एक शक्ति पर निर्भर नहीं रह सकता। इसलिए उसकी भू-राजनीतिक जरूरतें उसे अमेरिका, रूस और चीन जैसी महाशक्तियों के साथ अलग-अलग स्तरों पर सहयोग और संतुलन साधने के लिए प्रेरित करती हैं। तीव्र आर्थिक विकास की भारत की महत्त्वाकांक्षी परियोजनाओं में अमेरिका की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही है।

भारत न केवल अमेरिका का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना, बल्कि अमेरिकी निवेश और पूंजी प्रवाह ने भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था और सेवा क्षेत्र को अभूतपूर्व ऊर्जा प्रदान की है। लाखों भारतीय पेशेवर अमेरिका में कार्यरत हैं। बहुराष्ट्रीय कंपनियों में भारतीयों का नेतृत्व इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। सिलिकान वैली और भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों के बीच घनिष्ठ संबंध पारस्परिक निर्भरता बढ़ाते हैं।

हाल के वर्षों में रक्षा तकनीकी साझेदारी ने भारत की सैन्य क्षमता को कई गुना बढ़ाया है, जिससे वह क्षेत्रीय शक्ति-संतुलन में अधिक सक्षम बन सका है। रणनीतिक दृष्टि से भी अमेरिका भारत के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। चीन की विस्तारवादी नीति, हिंद महासागर क्षेत्र में उसकी बढ़ती सक्रियता और पाकिस्तान को मिलने वाला उसका समर्थन भारत की सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती है। ऐसी स्थिति में अमेरिका के साथ भारत का सहयोग हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शक्ति संतुलन बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन में नई दिल्ली और बेजिंग के बीच संबंध सुधरते दिखाई दिए। जलवायु परिवर्तन, वैश्विक व्यापार और बहुध्रुवीय विश्व-व्यवस्था जैसे मुद्दों पर सहयोग की गुंजाइश दोनों देशों के बीच बनी रहती है। भारत और चीन के बीच सीमा विवाद और भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के बावजूद ऐसे मंचों पर संवाद भारत को तनाव कम करने और टकराव को नियंत्रित करने का अवसर देता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जिनपिंग की मुलाकात से यह उम्मीद बढ़ी है कि व्यापारिक असंतुलन, सीमा पर स्थिरता और ब्रिक्स जैसे मंचों में सहयोग पर बातचीत आगे बढ़ेगी। इससे यह संदेश जाता है कि प्रतिस्पर्धा के बावजूद भारत संवाद का रास्ता बंद नहीं करता।

प्रधानमंत्री मोदी ने शिखर सम्मेलन के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। दुनिया की सबसे ज्यादा आबादी वाले दोनों पड़ोसी देश डोनाल्ड ट्रंप के मनमाने शुल्क के दबाव में अपने संबंधों को मजबूत करने की कोशिश तो कर रहे हैं, लेकिन दोनों देशों के बीच कई भू-राजनीतिक और रणनीतिक मुद्दे अब भी अनसुलझे हैं।

भारत के लिए चीन सीमा विवाद, पाकिस्तान गठजोड़, आर्थिक निर्भरता, समुद्री विस्तारवाद और वैश्विक मंचों पर विरोध बड़ी चुनौती है। भारत की विदेश नीति चीन को संतुलित करने के लिए कृतसंकल्प रही है और इस वास्तविकता को नजरअंदाज करने का जोखिम भी नहीं लिया जा सकता। इसलिए रूस, अमेरिका और पश्चिमी देशों के साथ भी सहयोग आवश्यक है।

भारत हमेशा सामरिक स्वायत्तता की नीति पर चलता रहा है। यह नीति कहती है कि वह किसी एक शक्ति पर निर्भर न होकर दूसरी शक्तियों के साथ भी संतुलन बनाए। अमेरिका और चीन की प्रतिस्पर्धा के बीच रूस भारत के लिए एक संतुलनकारी ध्रुव है। भारत की रक्षा संरचना का बड़ा हिस्सा रूसी तकनीक और हथियारों पर आधारित है। लड़ाकू विमानों से लेकर टैंकों और पनडुब्बियों तक, भारत की सैन्य क्षमता की रीढ़ रूसी सहयोग से बनी है।

आज भी ब्रह्मोस मिसाइल, एस-400 रक्षा प्रणाली और टी-90 टैंक भारत की सामरिक शक्ति को परिभाषित करते हैं। पश्चिमी देश अक्सर संवेदनशील तकनीक साझा करने से हिचकते हैं, जबकि रूस ने लंबे समय से भारत को ऐसी रक्षा तकनीक उपलब्ध कराई है जो उसकी आत्मनिर्भरता बढ़ाती है। यही कारण है कि भारत के लिए रूस केवल एक आपूर्तिकर्ता नहीं, बल्कि रक्षा सहयोग का स्थायी साझेदार है।

यूक्रेन युद्ध के बाद रूस पश्चिम से बहुत दूर हो गया है और चीन पर उसकी निर्भरता काफी हद तक बढ़ गई है। भारत के लिए यह स्थिति सामरिक रूप से अनुकूल नहीं है। रूस की चीन पर निर्भरता से पाकिस्तान और रूस के संबंध मजबूत हो रहे हैं। भारत की सबसे बड़ी सुरक्षा चुनौती चीन है और अगर रूस उस पर अधिक निर्भर होता है, तो भारत के लिए कूटनीतिक दबाव बढ़ता है। रूस भारत का पारंपरिक रक्षा आपूर्तिकर्ता है, लेकिन चीन के साथ रूस की तकनीकी साझेदारी भारत के लिए असहज स्थिति पैदा करती है।

रूस को पूरी तरह चीन के पाले में जाने से रोकने के लिए भारत को ऊर्जा, रक्षा और निवेश में रूस से रिश्ते बनाए रखने होंगे। वहीं चीन के बढ़ते प्रभाव को संतुलित करने के लिए भारत को अमेरिका, जापान, फ्रांस और यूरोपीय देशों से सहयोग बढ़ाना होगा। रूस-चीन मित्रता कुछ मामलों में भारत को राहत दे सकती है। जैसे ट्रंप की नीतियों से निपटने के फिलहाल दबाव बनाया गया है, लेकिन दीर्घकाल में अगर रूस चीन पर अत्यधिक निर्भर हो जाता है, तो यह भारत की सामरिक स्वतंत्रता और सुरक्षा के लिए समस्या भी बन सकता है।

रूस और चीन की तुलना में भारत निश्चित रूप से एक उभरती हुई शक्ति है। यह एक युवा, बड़ी आबादी, तेज आर्थिक विकास, मजबूत लोकतंत्र और हिंद-प्रशांत में रणनीतिक स्थिति से लाभान्वित हो रहा है। जबकि सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के अभाव, चीन की तुलना में कम वैश्विक पहुंच और मध्यम स्तर की सैन्य-तकनीकी आत्मनिर्भरता भारत की प्रमुख समस्याएं हैं।

रूस और चीन के मजबूत रिश्ते भारत के लिए दोधारी तलवार की तरह हैं। एक ओर यह बहुध्रुवीयता और वैश्विक संतुलन को बढ़ावा देकर भारत की रणनीतिक स्वायत्तता को सुदृढ़ करते हैं, तो दूसरी ओर यह चीन-पाकिस्तान धुरी को और मजबूत बना कर भारत की सुरक्षा और सामरिक स्वतंत्रता के लिए नई चुनौतियां पैदा करते हैं। भारत का हित इसी में हैं कि वह सभी से मित्रता रखे, पर निर्भरता किसी पर न बनाए।

हब फॉर इम्पावरमेंट ऑफ वूमेन योजना के अन्तर्गत मझगवा गांव में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। निदेशक महिला कल्याण उ0प्र0 लखनऊ के आदेश के क्रम में जनपद भदोही में शत्रुघ्न कन्नौजिया जिला प्रोबेशन अधिकारी के आदेशानुसार 'संकल्पः हब फॉर इम्पावरमेंट ऑफ वूमेन योजना' के अन्तर्गत विकास खण्ड डीग के अन्तर्गत मझगवा गांव में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान ममता सिंह मिशन कोआर्डिनेटर ने छात्र-छात्राओं के साथ लिंग भेद कैसे समाज में महिला पुरुष के बीच गैर बराबरी के लिए जिम्मेदार है। यह भी बताया कि यही भेद आगे चलकर महिलाओं पर हिंसा का कारण बनता है। उन्होंने कहा कि अभी भी समाज में महिलाओं व लड़कियों की सुरक्षा एक बड़ा सवाल है। निर्भया केस के बाद महिलाओं पर हो रही हिंसा पर रोक लगने की उम्मीद थी लेकिन महिलाओं पर हिंसा की घटनाएं लगातार बढ़ रही है। जब तक समाज में महिला और पुरुष में भेदभाव किया जायेगा लिंग आधारित हिंसा कभी भी खत्म नहीं होगी।

प्रियंका गुप्ता जेण्डर स्पेसलिस्ट द्वारा बालिकाओं को महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला, उ0प्र0 मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (कोविड व सामान्य), पति की मृत्युपरान्त निराश्रित महिला पेंशन, स्पॉन्सरशिप योजना, वन स्टॉप सेन्टर एवं 1098 चाइल्ड हेल्पलाईन का प्रचार-प्रसार एवं सरकार द्वारा संचालित टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1098 चाईल्ड लाईन, 1098 वीमेन पॉवर लाईन, 181 महिला हेल्पलाईन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाईन, 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 102 स्वास्थ्य सेवा एवं 108 एम्बुलेस सेवा आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी।

महिला कल्याण विभाग द्वारा संचलित योजना पति की मृत्युपरान्त निराश्रित महिलाओं की सहायक अनुदान योजना के अन्तर्गत प्रत्येक लाभार्थी को प्रतिमाह रूपये-1000 की धनराशि दी जाती है। पात्र महिलायें जन सेवा केन्द्र/कम्प्यूटर सेन्टर से या स्वयं ऑनलाइन आवेदन कर सकती है। जनपद में निराश्रित महिला पेंशन योजना के अन्तर्गत 28737 लाभार्थियों को लाभान्वित किया जा चुका है।

कन्या सुमंगला योजनाः- इस योजना का मुख्य उददेश्य कन्या भ्रूण हत्या को समाप्त करना समान लैंगिक अनुपात स्थापित करना बाल विवाह की कुप्रथा को रोकना बालिकाओं के स्वास्थ्य व शिक्षा को प्रोत्साहन देना बालिकाओं को स्वावलंबी बनाने में सहायता प्रदान करना बालिका के जन्म के प्रति समाज में सकारात्मक सोच को विकसित करना है। कन्या सुमंगला योजना के अन्तर्गत लाभार्थी के परिवार में अधिकतम 02 बच्चों को ही लाभ अनुमन्य होगा यदि किसी महिला को पहले प्रसव से बालिका है व द्वितीय प्रसव से 02 जुड़वा बालिकायें ही होती है तो केवल ऐसी अवस्था में ही तीनों बालिकाओं को लाभ अनुमन्य होगा। यह योजना

06 श्रेणियों लाभ प्रदान किया जाता है। प्रथम श्रेणी बालिका के जन्म होने पर 5000/- द्वितीय श्रेणी बालिका के एक वर्ष तक के पूर्ण टीकाकरण के उपरान्त 2000/- तृतीय श्रेणी कक्षा प्रथम में बालिका के प्रवेश पर 3000/- चतुर्थ श्रेणी कक्षा छः में बालिका के प्रवेश पर 3000/- पंचम श्रेणी कक्षा नौ में बालिका के प्रवेश पर 5000/- एवं षष्ठम् श्रेणी बालिका द्वारा 12वीं उत्तीर्ण करने के उपरान्त स्नातक अथवा दो वर्षीय या अधिक अवधि के डिप्लोमा कोर्स में प्रवेश पर 7000/- प्रदान किया जाता है। जनपद में कुल 18570 लाभार्थियों को लाभान्वित किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (कोविड-19)-0 से 18 वर्ष की उम्र तक के ऐसे सभी बच्चे जिनके माता तथा पिता दोनों की मृत्यु कोविड-19 के संक्रमण से महामारी के दौरान हो गई हो या जिनके माता या पिता में से एक की मृत्यु 01 मार्च, 2020 से पूर्व हो गयी थी तथा तथा दूसरे की मृत्यु कोविड-19 के संक्रमण से महामारी के दौरान हो गई हो, के बच्चों को प्रतिमाह रू0 4000/- की दर से लाभान्वित किया जाता है। योजना में अब तक कुल 199 लाभार्थियों को लाभान्वित किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य)- ऐसे बच्चे जिन्होने कोविड-19 से भिन्न अन्य कारणों से अपने माता-पिता दोनों अथवा माता या पिता में से किसी एक अथवा अभिभावक को खो दिया है अथवा जिनकी माता तलाकशुदा स्त्री या परित्यक्ता है अथवा जिनके माता-पिता या परिवार का मुख्यकर्ता जेल में है अथवा ऐसे बच्चे जिन्हें बाल श्रम, बाल भिक्षावृत्ति/बाल वैश्यावृत्ति से मुक्त कराकर परिवार/पारिवारिक वातावरण में समायोजित कराया गया हो अथवा भिक्षावृत्ति/वैश्यावृत्ति में सम्मिलित परिवारों के बच्चों को प्रतिमाह रू0 2500/- की दर से लाभान्वित किया जाता है। अब तक कुल 1141 बच्चों को लाभान्वित किया जा चुका है।

स्पॉनसरशिप योजना-ऐसे बच्चे जिनके माता-पिता व पिता की मृत्यु या माता-पिता दोनों/उनसे से कोई एक गम्भीर बीमारी से ग्रसित/माता-पिता शारीरिक रूप से बच्चे की देखभाल करने में असमर्थ हो/बाल श्रम/बच्चे के माता पिता या उनमें से कोई एक जेल में निरूद्ध/दिव्यांग बच्चा अथवा बाल श्रम, बाल भिक्षावृत्ति/बाल वैश्यावृत्ति से मुक्त कराकर परिवार/पारिवारिक वातावरण में समायोजित कराया गये बच्चों को प्रतिमाह रू0 4000/- की दर से लाभान्वित किया जाता है। अब तक 986 बच्चों को लाभान्वित किया जा चुका है।

कार्यक्रम में ममता सिंह मिशन कोआर्डिनेटर, रेशमा भारती, प्रियंका गुप्ता जेण्डर स्पेसलिस्ट, आनन्द कुमार मौर्या, सत्येन्द्र पाण्डेय दिनेश तथा काफी संख्या में आंगनवाड़ी व महिलाएं उपस्थित रहीं।

घोसिया में रबी उल अव्वल का जुलूस निकलाः मदरसा जामिया से शुरू होकर गांधी तिराहे तक पहुंचा, पुलिस प्रशासन रहा मौजूद

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। घोसिया में 5 सितंबर को रबी उल अव्वल का त्योहार शांतिपूर्ण ढंग से मनाया गया। अंजुमन रजा ए मुस्तफा कमेटी के तत्वावधान में जुलूस ए मोहम्मदी का आयोजन किया गया।

जुलूस मदरसा जामिया फाजिला कच्चा तालाब से प्रारंभ हुआ। यह ईदगाह जामा मस्जिद, पश्चिम मोहल्ला, चौधरी मोहल्ला, हिम्मतगंज होते हुए आगे बढ़ा। फिर पक्का चौक, चमनगंज, तकिया मिश्रानी, सिंहा रोड से होकर गुजरा। जीटी रोड सर्विस लेन से सदर रोड मेन मार्केट होते हुए गांधी तिराहे पर समाप्त हुआ।

कार्यक्रम में क्षेत्राधिकारी औराई, थाना अध्यक्ष औराई और चौकी इंचार्ज घोसिया पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। हाफिज सलाहुद्दीन, मौलाना तनवीरूद्दीन, रियाज अहमद बरकाती और मौलाना अली हुसैन उपस्थित थे। पूर्व चेयरमैन नुमान अहमद, रईस अहमद उस्मानी सहित बड़ी संख्या में नगरवासी भी शामिल हुए।

हर्षोल्लास एवं खुशी के साथ मनाया गया ईद मिलादुन नबी का त्यौहार

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। शुक्रवार को यौमे पैदाइश के मौके पर ईद मिलादुन्नबी के का त्यौहार सुरियावा नगर पंचायत के विभिन्न वार्ड वी हिस्सों में बड़े ही उत्साह पूर्वक ढंग से मनाया गया इस मौके पर तरह-तरह के जुलूस निकल गए जुलूस को बड़े आकर्षक ढंग से सजाया गया था जो की नगर में घुमाया गया इस मौके पर कुंन्दीपुर पुरानी बाजार आतिशबामोहल्ला बताशा गली अभिया मतेथु सहित क्षेत्र में लोगों द्वारा ईद उल मिलादुन्नबी का त्यौहार मनाया गया तथा सुरक्षा की दृष्टि से सुरियावा थाना अध्यक्ष अजीत कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में महिला एवं पुरुष पुलिस फोर्स फोर्स लगातार चक्रमण करती रही तथा अराजक तत्वों पर निगाह लगाए रही कहीं भी किसी प्रकार से कोई अप्रिय घटना ना घटे त्योहार शांतिपूर्वक ढंग से संपन्न कराया गया।

भदोही पुलिस ने एक सौ दो गुमशुदा मोबाइल फोन मालिकों को लौटाए

गणेश चतुर्थी और बारावफात पर्व पर पुलिस ने मोबाइल स्वामियों को दिया तोहफा

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही।पुलिस अधीक्षक भदोही के निर्देशन में जनपद में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत गणेश चतुर्थी और बारावफात पर्व के शुभ अवसर पर गुम हुए मोबाइल फोन की बरामदगी में बड़ी सफलता मिली है। इस अभियान के दौरान पुलिस ने कुल 102 गुमशुदा व चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद किए, जिनकी कुल कीमत चौदह लाख तीस हजार रुपये आंकी गई है।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मोबाइल फोन की शिकायत दर्ज होते ही थानों पर नियुक्त कंप्यूटर ऑपरेटर द्वारा सीईआईआर पोर्टल और 112 डायल सेवा के माध्यम से लगातार प्रयास कर फोन का पता लगाया गया। इसके बाद संबंधित मोबाइल मालिकों को बुलाकर उनके मोबाइल फोन वापस किए गए।

बरामद किए गए मोबाइल फोनों में सबसे अधिक मोबाइल ज्ञानपुर थाना क्षेत्र से 23, गोपीगंज से 16, भदोही से 15, औराई से 11, सुरियावा से 13, तथा अन्य थाना क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में फोन शामिल हैं।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक भदोही ने बताया कि चोरी और गुमशुदा मोबाइल की बरामदगी पुलिस की प्राथमिकता है।

भारत भारती इंटर कॉलेज मे धूमधाम से मनाया गया शिक्षक दिवस

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। डॉ सर्वपल्ली राधा कृष्णन के जन्मदिन के मौके पर गोपीगंज मे स्थित भारत भारती इंटरमीडिएट कॉलेज मे बड़े ही हर्षोल्लास के साथ शिक्षक दिवस मनाया गया। जहां पर कॉलेज के अध्यापक और बच्चों ने डॉ सर्वपल्ली राधा कृष्णन के व्यक्तित्व के बारे मे चर्चा की और उनको नमन किया। कार्यक्रम मे कॉलेज के प्रबंधक माता प्रसाद चौबे समेत अध्यापकों ने बच्चों को डॉ सर्वपल्ली राधा कृष्णन के जीवन से सीख लेने की बात कहीं। इस मौके पर बच्चों के तरफ से शिक्षकों के लिए उपहार और मिठाईयां भी दिया गया। कॉलेज के सभी कमरों को रंग बिरंगी पतंगी और गुंब्बारो से सजाया गया था। कई कक्षाओं मे केक भी काटकर शिक्षक दिवस मनाया गया। इस मौके पर कॉलेज के अध्यापक, अध्यापिका और बच्चे मौजूद रहे।

दुर्गागंज पुलिस टीम को मिली सफलता मोबाइल छिनैती करने वाला गिरफ्तार

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। आवेदक कल्लू पुत्र कमला बनवासी निवासी हरदुआ थाना दुर्गागंज जनपद भदोही द्वारा दिनांक 20.02.2025 को समय 05.00 शाम को बाजार से वापस आते वक्त ग्राम हरदुआ में रास्ते पर किसी अनजान बाइक सवार द्वारा आवेदक का मोबाइल फोन छीन लिया गया। थाना दुर्गागंज में अज्ञात युवकों के विरुद्ध मु0अ0सं0-18/2025 धारा-304(2) बी.एन.एस. का अभियोग पंजीकृत करते हुए अभियुक्त की पहचान व घटना के शीघ्र अनावरण के प्रयास सहित विधिक कार्यवाही प्रचलित की गई।

अभिमन्यु मांगलिक, पुलिस अधीक्षक भदोही के निर्देशन में अपराध व अपराधियों पर अंकुश एवं प्रभावी नियंत्रण बनाए रखने हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में उ0नि0श्यामनारायण यादव मय

हमराह, हे0का0 दिग्विजय सिंह हिमांशु व का0 विपिन कुमार द्वारा मु0अ0स0 18/25 धारा 304(2) बी0एन0एस0 के संबंध में मुखबीर की सूचना पर स्थान वरुणा पुल बार्डर के पास सड़क के किनारे दाहिने तरफ मानीडीह की ओर जाने वाले रास्ते पर खड़े व्यक्ति को मौके पर ही घेरकर पकड़ लिया गया। पकड़े गये व्यक्ति से उसका नाम पता पूछते हुए जामा तलाशी ली गयी और उसका नियमानुसार विडियोग्राफी की गयी तो पकड़े गये व्यक्ति ने अपना नाम सूरज कुमार यादव पुत्र सुभाष यादव निवासी ममरखा थाना हण्डिया जनपद प्रयागराज उम्र करीब 19 वर्ष बताया। जिसका यह कार्य अन्तर्गत धारा 304(2), 317(2) बीएनएस का अपराध है। जुर्म से अवगत कराते हुए अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के कब्जे से 01 छिनैती की एन्ड्रायड मोबाइल एवं ?150 नगद बरामद किया गया है। उक्त गिरफ्तारी बरामदगी के सम्बन्ध में मुकदमा उपरोक्त में धारा 317(2) बीएनएस का बढ़ोत्तरी कर विधिक कार्यवाही के उपरांत चालान न्यायालय किया गया। अभियुक्त के अन्य घटनाओं में संलिप्तता व आपराधिक इतिहास की जानकारी की जा रही है।

सुजातपुर मे श्रीमदभागवत कथा के पहले निकाली गई भव्य कलश यात्रा

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। गोपीगंज क्षेत्र के सुजातपुर मे शुक्रवार को श्रीमदभागवत कथा के ठीक पहले भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा बिहरोजपुर गंगा घाट से सुजातपुर कथा स्थल तक कलश यात्रा निकाली गई।

मालूम हो कि सुजातपुर निवासी सतीश चंद तिवारी के यहां श्रीनदभागवत कथा का आयोजन किया गया है। कथा व्यास आचार्य अवनीश भाई के मुखरबिंद से सांगीतमय प्रवचन का आयोजन किया गया है। शुक्रवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गई जहां पर यजमान समेत गांव और क्षेत्र के भारी संख्या मे लोग शामिल हुए। क्लास यात्रा मे महिलाएं अपने सर पर कलश लेकर शामिल हुई। लोग डीजे पर बज रहे भक्ति गीतों पर नाचते नज़र आये। कथा वाचक आचार्य अवनीश भाई रथ पर सवार होकर कलश यात्रा मे शामिल हुए। इस मौके पर किशन चंद तिवारी, सतीश चंद तिवारी, लक्ष्मी चंद तिवारी, शेषकांत, विनय तिवारी, कमलेश तिवारी, आलोक, अंशुल, अंकित तिवारी, अंजुल और अंश तिवारी समेत भारी संख्या मे लोग मौजूद रहे।

अभिमन्यु मांगलिक पुलिस अधीक्षक भदोही के निर्देशन में शुभम अग्रवाल अपर पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा के कुशल पर्यवेक्षण में समस्त क्षेत्राधिकारीगण द्वारा अपने सर्किल के थाना क्षेत्र अंतर्गत थाना/चौकी प्रभारियों व पर्याप्त पुलिस बल की शान्ति व्यवस्था ड्यूटी लगायी गयी है। मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों, प्रमुख चौराहों पर पैदल गस्त/फ्लैग मार्च कर आमजन से संवाद स्थापित कर मनाये जा रहे त्यौहार गणेश चतुर्थी(पूजा) एवं पर्व बारावफात जुलूस को शान्तिपूर्ण एवं सुरक्षित सम्पन्न कराया जा रहा है। इसी क्रम में शुभम अग्रवाल, अपर पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा क्षेत्राधिकारी भदोही सहित पर्याप्त पुलिस बल के साथ थाना भदोही क्षेत्र अन्तर्गत कस्बा भदोही में बारावफात जुलूस को शान्तिपूर्ण एवं सुरक्षित सम्पन्न कराया गया ।

06 व 07 सितम्बर को पीईटी अभ्यर्थियों के सुविधा के लिए जनपद में बनाए गए हैं विभिन्न हेल्प डेस्क सेंटर

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। आगामी 06 व 07 सितम्बर 2025 को उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित प्रारम्भिक अर्हता परीक्षा (पी0ई0टी0)-2025 को जनपद में सकुशल व शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के दृष्टिगत जिलाधिकारी शैलेष कुमार के निर्देश के क्रम में जनपद के 17 परीक्षा केदो पर विभिन्न जनपदो से आने वाले परीक्षार्थियों की संख्या-8000 प्रति पाली एवं चारो पालियो में कुल परीक्षार्थियों की संख्या 32160 है, परीक्षार्थियो की अधिक संख्या होने के कारण उनके सुचारू आवागमन, परीक्षा केंद्र तक पहुंचने, परीक्षा समाप्ति पश्चात घर जाने हेतु बस स्टेशन व रेलवे स्टेशन तक पहुंचने की सुविधा के क्रम में प्रशासन द्वारा जनपद के विभिन्न स्थानों पर 'हेल्प डेस्क' बनाए गए हैं, जहां पर परीक्षार्थियों की सुविधा हेतु परीक्षा केंद्र का लोकेशन, दूरी इत्यादि जानकारी व सुविधा प्रदान की जाएगी।

गोपीगंज में गोपीगंज स्थित वाराणसी बस अड्डा, गोपीगंज स्थित प्रयागराज बस अड्डा , ज्ञानपुर रोड रेलवे स्टेशन। इसके अतिरिक्त परीक्षार्थियों के ठहरने हेतु विशेष व्यवस्था की गई है। नगर पालिका परिषद गोपीगंज द्वारा नवनिर्मित पूरे गुलाब में पानी की टंकी के पास स्थित रैन बसेरा, आदित्य लॉन गोपीगंज।

ज्ञानपुर में दिव्या लॉन, ज्ञानपुर रैन बसेरा, चित्रांगना लॉन सनातन लॉन, बस स्टेशन ज्ञानपुर इन स्थानों पर परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएंगी।

भदोही कस्बे में स्थित रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन, स्टेशन रोड होटल ग्लोरी, होटल मेघदूत, होटल सेराज, होटल रेणुका, नगर पालिका भदोही रैन बसेरा आदि

औराई में औराई बस स्टेशन, औराई चौराहा, माधोसिंह रेलवे स्टेशन, चित्रांश पैलेस औराई, चौधरी मैरिज लान घोसिया आदि परीक्षार्थियों की सेवा हेतु जनपद प्रशासन तत्पर है।

प्रारम्भिक अर्हता परीक्षा जनपद के सभी तहसीलों में होगी आयोजित

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने जारी अपने आदेश के तहत सचिव, उ0प्र0 शासन, राजस्व अनुभाग-4, लखनऊ के पत्र द्वारा प्रदेश के 48 जनपदों में प्रारम्भिक अर्हता परीक्षा (ईऊ)-2025 के आयोजन के दृष्टिगत दिनांक 06.09.2025 (माह के प्रथम शनिवार) को आहूत होने वाले 'सम्पूर्ण समाधान दिवस' को दिनांक 06.09.2025 (माह के प्रथम शनिवार) के स्थान पर दिनांक 08.09.2025 (सोमवार) को आयोजित किए जाने के निर्देश दिए गए है।

अतः शासन द्वारा दिए गए निर्देश के अनुपालन में जनपद भदोही में दिनांक 06.09.2025 (माह के प्रथम शनिवार) को होने वाले सम्पूर्ण समाधान दिवस 'तहसील दिवस' अब दिनांक 08.09.2025 (सोमवार) को आयोजित होगी। शेष आदेश यथावत रहेगा।

शिक्षक रामलाल यादव को मिला राष्ट्रपति पुरस्कार, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने किया सम्मानित, बड़वापुर कंपोजिट विद्यालय के शिक्षक हैं रामलाल

'गुंडा' बयान पर बुरे फंसे ओपी राजभर; एबीवीपी ने भेजा लीगल नोटिस, माफी न मांगने पर दी ये चेतावनी

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश सरकार के मंत्री ओपी राजभर के एक विवादित बयान ने परिषद के कार्यकर्ताओं का गुस्सा भड़का दिया। राजभर ने अपने बयान में एबीवीपी कार्यकर्ताओं को 'गुंडा' करार दिया है। इस बयान पर राजभर अब बुरा फंस गए है। उन्हें लीगल नोटिस भेजा गया है। इस नोटिस में पांच दिन में सार्वजनिक माफ़ी मांगने की बात कही गई है और माफी नहीं मांगे जाने पर मानहानि की कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

बता दें कि एबीवीपी कार्यकर्ताओं को गुंडा कहे जाने पर ये लीगल नोटिस भेजा गया है। एबीवीपी की तरफ से गोंडा के रहने वाले आदर्श तिवारी ने वकील सिद्धार्थ शंकर दुबे के माध्यम से नोटिस भेजा है। नोटिस मिलने के 5 दिन में सार्वजनिक माफ़ी मांगने की नोटिस भेजा गया है। माफी नहीं मांगे जाने पर मानहानि की कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

एबीवीपी के कार्यकर्ता एकजुट होकर लखनऊ में मंत्री के आवास पर पहुंचकर नारेबाजी की। आरोप है कि इस दौरान बाहर से राजभर के आवास में पथराव भी हुआ। हंगामे को देखते हुए इस दौरान भारी संख्या में पुलिस बल बुलाया गया। कार्यकर्ता काफ़ी देर तक राजभर के आवास के बाहर नारेबाजी करते रहे। इस दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच तीखी नोंक-झोंक और हाथापाई भी हुई, जिसमें कई छात्रों को मामूली चोटें आईं हैं।

जौनपुर में मजदूर को आया 4.42 करोड़ का जीएसटी नोटिस, परिवार वालों के पैरों तले खिसकी जमीन

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के जौनपुर जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक मजदूर के नाम पर कागजों में फर्म बनाकर 24 करोड़ 55 लाख 80 हजार रुपये का टर्नओवर दिखाया गया। इस फर्जीवाड़े का खुलासा तब हुआ, जब मजदूरी करके परिवार चलाने वाले रोहित सरोज को 4 करोड़ 42 लाख 4 हजार 400 रुपये का जीएसटी भुगतान नोटिस मिला। नोटिस मिलते ही रोहित और उनके परिवार के पैरों तले जमीन खिसक गई। पीड़ित ने इस जालसाजी के खिलाफ पुलिस महानिरीक्षक समेत अन्य अधिकारियों से न्याय की गुहार लगाई है।

मामला जौनपुर के मुंगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के धौरहरा गांव का है। यहां रहने वाले रोहित सरोज की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर है। रोहित और उनके बड़े भाई मजदूरी करके महीने में 10 से 15 हजार रुपये कमाते हैं, जिससे किसी तरह परिवार का भरण-पोषण होता है। लेकिन जालसाजों ने उनके नाम पर ऐसी साजिश रची कि उन्हें करोड़ों रुपये का जीएसटी नोटिस थमा दिया गया।

30 अगस्त को जौनपुर के उपायुक्त राज्यकर एवं सहायक आयुक्त जीएसटी की ओर से रोहित सरोज को एक नोटिस जारी किया गया। नोटिस में आरोप लगाया गया कि रोहित ने आर.के. ट्रेडर्स नामक फर्म के जरिए एक महीने में 24 करोड़ 55 लाख 80 हजार रुपये का टर्नओवर किया, लेकिन इसका जीएसटी जमा नहीं किया। नोटिस में 4 करोड़ 42 लाख 4 हजार 400 रुपये का जीएसटी बकाया बताया गया। इस नोटिस ने रोहित और उनके परिवार को हतप्रभ कर दिया।

परिवार ने अधिकारियों को बताया कि वे गरीब मजदूर हैं और उनका कोई व्यवसाय नहीं है। अधिकारियों ने सूचित किया कि आर.के. ट्रेडर्स फर्म में रोहित के दस्तावेजों का उपयोग करके यह लेनदेन दिखाया गया है। पीड़ित को 10 सितंबर को जौनपुर जीएसटी कार्यालय में तलब किया गया है।

जांच में पता चला कि आर.के. ट्रेडर्स फर्म जौनपुर के मुंगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के नीभापुर गांव में रजिस्टर्ड है। इस फर्म के जरिए वित्तीय वर्ष 2025-26 के जून महीने में 24 करोड़ 55 लाख 80 हजार रुपये का लेनदेन दिखाया गया। लेनदेन में एक अज्ञात व्यक्ति का मोबाइल नंबर (9117976438) और बिलिंग नंबर (00) दर्ज है, साथ ही

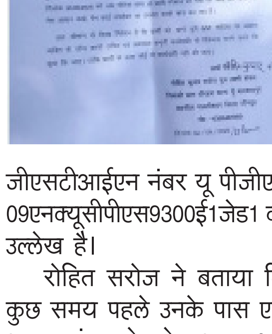

जीएसटीआईएन नंबर यू पीजीएयू 09एनक्यूसीपीएस9300ई1जेड1 का उल्लेख है।

रोहित सरोज ने बताया कि कुछ समय पहले उनके पास एक अज्ञात नंबर से फोन आया था। कॉल करने वाले ने खुद को उनका दूर का रिश्तेदार बताकर नौकरी दिलाने का लालच दिया। उसने फोन पर ही रोहित से आधार कार्ड, पैन कार्ड और एक ओटीपी मांगा, जो रोहित ने अनजाने में दे दिया। नौकरी तो नहीं मिली, लेकिन अब उनके नाम पर करोड़ों का फर्जीवाड़ा सामने आया।

नोटिस मिलने के बाद रोहित और उनका परिवार सदमे में है। उनका कहना है कि मजदूरी करके जीवन चलाने वाले लोग करोड़ों रुपये का भुगतान कैसे कर सकते हैं? रोहित ने इस जालसाजी के खिलाफ पुलिस महानिरीक्षक और अन्य अधिकारियों को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की मांग की है। मुंगराबादशाहपुर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और जालसाजों का पता लगाने में जुट गई है।

श्रीराम मंदिर का निर्माण लगभग पूर्ण आधुनिक उपकरणों एवं तकनीक से लैस होगी सुरक्षा

अयोध्या **(एजेंसी)**। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के संपूर्ण परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को और चुस्त दुरूस्त करने को लेकर राममंदिर स्थायी सुरक्षा समिति की अहम बैठक राममंदिर परिसर में सम्पन्न हुई, जिसमें जिले के पुलिस के सभी आला अधिकारी, खुफिया एजेंसी के प्रमुखों के साथ परिसर की सुरक्षा में तैनात अर्द्ध सैनिक बलों के अधिकारी मौजूद रहे।

एडीजी सुरक्षा ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सभी पहलुओं पर विस्तार से जानकारी ली। सुरक्षा व्यवस्था की स्थाई समिति की बैठक में राममंदिर परिसर की सुरक्षा को आधुनिक तकनीक से लैस करने पर जोर दिया गया। बैठक में राममंदिर की सुरक्षा को और पुख्ता करने के लिए हाईटेक सुरक्षा उपकरणों की आवश्यकता का प्रस्ताव रखा गया। सुरक्षा व्यवस्था की स्थाई समिति में जो भी प्रस्ताव आए हैं उन्हें राज्य सरकार को भेजा जाएगा।

श्रीराम मंदिर का निर्माण लगभग पूर्णता की ओर है, जिससे नई सुरक्षा चुनौतियां सामने आ रही हैं। शुरू से ही राम जन्मभूमि मंदिर आतंकी संगठनों की हिट लिस्ट में है, इस कारण अब हाईटेक उपकरणों से आतंकियों की किसी भी संभावित साजिश को नाकाम करने की योजना बनाई गई। श्रीराम मंदिर की स्थाई सुरक्षा समिति की बैठक के बाद उपस्थित अधिकारियों ने श्रीराम मंदिर परिसर का स्थलीय निरीक्षण और विकास कार्यों की समीक्षा की। सुरक्षा समिति ने स्पष्ट किया कि लाखों श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है उस अनुरूप सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

पापा ने नहलाते समय देखा बेटे का 'खतना' बोले- ये कैसे हुआ, फिर पता चला बीवी भी; पीड़ित पति ने 'मंजूर हसन' को बताया मास्टरमाइंड

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश की राजधानी लखनऊ से धर्म परिवर्तन का सनसनीखेज मामला सामने आया है। लखनऊ के रहने वाले अंकित पांडेय का आरोप है कि मंजूर हसन उर्फ सैफी नामक शख्स ने पहले उनकी पत्नी प्रियंका और बेटे अर्नव का धर्मांतरण कराया। फिर उन्हें लेकर भाग गया। उनकी पत्नी घर से कीमती जेवरात, नकदी और उनका आईफोन भी लेकर गई है।

अंकित पांडेय ने पुलिस पर आरोप लगाया कि शिकायत के बाद भी ठाकुरगंज पुलिस ठोस कार्रवाई नहीं कर रही है। पुलिस ने पत्नी की लोकेशन सर्विलांस से सिविल कोर्ट परिसर में पाई, लेकिन वहां भी कार्यवाही नहीं हुई। इतना ही नहीं पुलिस ने उनसे उल्टा कागज़ पर लिखवा लिया गया कि वह कोई कार्यवाही नहीं चाहते।

अंकित पांडेय के अनुसार, 28 अगस्त 2025 को उन्होंने अपने बेटे को नहलाते समय पाया कि उसका खतना कराया गया है। पत्नी से पूछने पर जवाब मिला कि वह अब हिंदू धर्म में नहीं है, उसने मुस्लिम धर्म अपना लिया है और बेटे का खतना भी मोहर्रम से पहले नक्खास में कराया गया था।

पीड़ित पति का आरोप है कि मंजूर हसन धर्मांतरण गिरोह का सदस्य है और उसे अपनी जान का खतरा है। अंकित ने सीएम योगी से गुहार लगाते हुए पूरे मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की है। अंकित के मुताबिक पत्नी और बेटा फिलहाल बाराबंकी में है।

भाजपा विधायक केतकी सिंह के खिलाफ 'फेसबुक' पर अश्लील और अपमानजनक पोस्ट समर्थकों में फैला आक्रोश, तीन आरोपी गिरफ्तार

बलिया **(एजेंसी)**। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक केतकी सिंह के खिलाफ सोशल मीडिया मंच 'फेसबुक' पर अश्लील और अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इन टिप्पणियों के बाद उनके समर्थकों में आक्रोश फैल गया और कानून-व्यवस्था को लेकर चिंताएं बढ़ गईं।

पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मिश्रा ने कहा कि इन टिप्पणियों पर स्थानीय लोगों की तीखी प्रतिक्रिया देखी गई, जिसके बाद बुधवार को बांसडीह और सहतवार थानों में दो प्राथमिकी दर्ज की गईं। उन्होंने बताया कि दोनों मामलों में जांच जारी है। बांसडीह में, पुलिस ने थाना प्रभारी राकेश उपाध्याय की शिकायत के आधार पर शिवेंद्र सत्यार्थी के खिलाफ मामला दर्ज किया।

सत्यार्थी ने कथित तौर पर फेसबुक पोस्ट में विधायक सिंह के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया था, जिससे शांति व्यवस्था भंग हो सकती थी। एक अलग मामले में, सहतवार पुलिस ने भाजपा के स्थानीय मंडल अध्यक्ष मिथिलेश तिवारी की शिकायत पर अजय यादव और सत्यदेव यादव के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। दोनों पर सोशल मीडिया मंच पर विधायक के बारे में अश्लील टिप्पणी करने का आरोप है।

केतकी सिंह को सपा ने लीगल नोटिस भेजा, अखिलेश पर झूठा और छवि धूमिल करने का आरोप

लखनऊ **(एजेंसी)**। बलिया के बांसडीह से भाजपा विधायक केतकी सिंह को समाजवादी पार्टी ने लीगल नोटिस भेजा है। सपा ने आरोप लगाया है कि उन्होंने अखिलेश यादव पर झूठा और छवि धूमिल करने वाला बयान दिया है। हाल ही में केतकी सिंह ने अखिलेश से सरकारी टोटियों का हिबास मांगा था। जिसको बाद प्रदेश भर राजनीति शुरू हो गई। केतकी सिंह के बयान के बाद सपाई लखनऊ में स्थित उनके आवास का घेराव करने पहुंच गए और साथ में टोटी भी लेकर गए थे। लेकिन वहां पर केतकी सिंह मौजूद नहीं थी। उसके अगले दिन ही केतकी सिंह की बेटी का बयान वायरल होता है, जिसमें वह आरोप लगाती हैं कि उनके आवास पर पहुंच कर उन्हें डराने धमकाने की कोशिश की जा रही है। उनका वीडिया सामने आते ही सियासी पारा गरम हो गया।

मोदी सरकार ने 11 साल में मनरेगा को कमजोर किया बजट कम करने की रणनीति अपनाई : कांग्रेस

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कांग्रेस ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने पिछले 11 वर्षों में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के बजट को कम करके इसे कमजोर करने की रणनीति पर अमल किया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने मनरेगा के लागू होने के 20 साल पूरे होने के मौके पर यह मांग फिर दोहराई कि इस योजना के तहत दैनिक मजदूरी को 400 रुपये किया जाए, जो अभी 300 रुपये से भी कम है। रमेश ने एक बयान में कहा, ''आज मनरेगा के कानून बनने की 20वीं वर्षगांठ है। आज होना तो यह चाहिए था कि हम दुनिया की सबसे बड़ी सामाजिक कल्याण योजना की उपलब्धियों को याद करते, लेकिन इस सरकार में योजना के अनिश्चित भविष्य को लेकर चिंता जतानी पड़ रही है।''

उन्होंने कहा कि वित्त मंत्रालय के नियमों के अनुसार, किसी भी सरकारी योजना को वित्तीय वर्ष की पहली छमाही में बजट का 60 प्रतिशत से अधिक खर्च करने की अनुमति नहीं है, लेकिन मंत्रालय ने सिर्फ पांच महीनों में ही 60 प्रतिशत बजट खत्म कर दिया है, जिससे देश के करोड़ों ग्रामीण परिवारों के भविष्य पर प्रश्नचिह्न खड़ा हो गया है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया, ''यह संकट कोई अपवाद नहीं, बल्कि मोदी सरकार द्वारा मनरेगा को कमजोर करने की एक बड़ी रणनीति का हिस्सा है।

मनरेगा को पिछले 11 वर्षों से पर्याप्त बजट नहीं मिला है। उच्च महंगाई के बावजूद पिछले तीन वर्षों से इसका बजट लगभग स्थिर है। इससे योजना के मांग-आधारित दृष्टिकोण का मज़ाक बन गया है और करोड़ों श्रमिकों को ज़रूरत पड़ने पर काम नहीं मिल पाता है।'' रमेश ने दावा किया कि मज़दूरों को वेतन भुगतान 15 दिनों की वैधानिक समयसीमा के बाद भी देर से मिलता है, और मुआवज़ा भी नहीं दिया जाता तथा हर साल मनरेगा के बजट का 20-30 प्रतिशत हिस्सा पिछले साल का बकाया चुकाने में चला जाता है।

उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में मनरेगा की मज़दूरी में बमुश्किल ही कोई वृद्धि हुई है, जिसके परिणामस्वरूप स्थिर आय का व्यापक संकट पैदा हो गया है। रमेश ने कहा, ''पारदर्शिता और जवाबदेही के नाम पर सरकार ने 'एनएमएमएस' ऐप और आधार-आधारित भुगतान प्रणाली (एबीपीएस) जैसी तकनीकें लागू की हैं। अनुमानों के अनुसार, इससे दो करोड़ से अधिक मज़दूरों को उनके कानूनी हक़ का काम और भुगतान नहीं मिल पाया है।''

उन्होंने कहा, ''कांग्रेस पार्टी ने लगातार मांग की है कि मनरेगा के बजट में जरूरी वृद्धि की जाए और समय पर मजदूरी भुगतान सुनिश्चित करने की नीति का कड़ाई से पालन हो, मनरेगा की न्यूनतम मजदूरी 400 रूपये प्रतिदिन तय की जाए ताकि वास्तविक आय में वृद्धि हो सके, भविष्य में मजदूरी दर तय करने के लिए एक स्थायी समिति का गठन हो और एबीपीएस और एनएमएमएस जैसी कठिनाई बढ़ाने वाली तकनीक को अनिवार्य रूप से लागू करने की प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाई जाए।''

बीड़ी नहीं, 'बी' का मतलब बुद्धि भी है, जो आपमें नहीं! कांग्रेस को संजय झा का करारा जवाब

पटना **(एजेंसी)**। जनता दल (यूनाइटेड) के सांसद संजय कुमार झा ने शुक्रवार को कांग्रेस पार्टी पर 'बिहार की तुलना बीड़ी' से करने को लेकर निशाना साधा। झा ने कहा कि बिहार का मज़ाक उड़ाकर कांग्रेस ने एक बार फिर न केवल राज्य की जनता का अपमान किया है, बल्कि भारत के गौरवशाली इतिहास और लोकतांत्रिक मूल्यों का भी मज़ाक उड़ाया है। एक्स पर एक पोस्ट में, जदयू नेता ने लिखा कि कांग्रेस का एक और बेहद शर्मनाक कृत्य! आपको बता दूँ कि 'बी' का मतलब सिर्फ़ 'बीड़ी' नहीं, बल्कि 'बुद्धि' भी है, जिसकी आपमें कमी है। 'बी' का मतलब बजट भी है, जहाँ बिहार के लिए घोषित हर विशेष पैकेज आपको असहज कर देता है।

झा ने आगे कहा कि बिहार का मज़ाक उड़ाने की हद तक गिरकर कांग्रेस ने न सिर्फ़ एक बार फिर बिहार की जनता का अपमान किया है, बल्कि देश और लोकतंत्र के गौरवशाली इतिहास का भी मज़ाक उड़ाया है। बिहार के मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी बिहार की जनता के प्रति नफरत की भावना रखती है...सिर्फ इसलिए कि बीड़ी पर जीएसटी कम

कर दिया गया है, वे बी फॉर बीड़ी और बिहारी कह रहे हैं...बिहार ने सम्राट अशोक, आर्यभट्ट, चाणक्य को जन्म दिया...गुरु गोविंद सिंह जी का जन्म बिहार में हुआ था। वे यह सब भूल गए।

अब हटा दी गई एक्स पर एक पोस्ट में, कांग्रेस ने तंबाकू उत्पाद पर जीएसटी कटौती का हवाला देते हुए कहा कि बीड़ी और बिहार बी से शुरू होते हैं और 'इसे अब पाप नहीं माना जा सकता। बिहार के उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता सम्राट चौधरी ने इसे पूरे बिहार का अपमान बताया। उन्होंने लिखा कि पहले हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पूजनीय माताजी का अपमान और अब पूरे बिहार का अपमान - यही कांग्रेस का असली चरित्र है, जो बार-बार देश के सामने उजागर हो रहा है।

बिहार भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने बिहार के लिए अपनी मानसिकता और सोच प्रदर्शित की है। कांग्रेस के नेता बिहार और बिहारियों का अपमान करते हैं। कांग्रेस केरल की पोस्ट से आप समझ गए होंगे कि बिहारियों का अपमान करना कांग्रेस पार्टी का काम है। इसलिए उन्होंने कहा 'बीड़ी और बिहार की शुरुआत बी से होती है...' बिहार की जनता कांग्रेस पार्टी से पूछ रही है कि क्या वे बिहारियों की तुलना बीड़ी से कर रहे हैं? कांग्रेस ने बिहार के आम लोगों, खासकर गरीबों का अपमान किया है, बिहार की जनता उन्हें कभी माफ नहीं कर सकती।

गृह राज्य मंत्री और बिहार से भाजपा सांसद नित्यानंद राय ने कहा कि देश भर के कांग्रेस नेता और बिहार के सभी राजद नेता बिहारियों का अपमान करने में आनंद लेते हैं। उन्हें बिहारियों और बिहारी गौरव को अपमानित करने में गर्व होता है। बिहार के लोग ऐसे सभी लोगों को सबक सिखाएंगे जो बिहारियों और उनके स्वाभिमान को ठेस पहुंचाते हैं... वे (राहुल गांधी और तेजस्वी यादव) (इस बारे में) क्या कहेंगे, वे ही हैं जो उनसे यह सब कहलवाते हैं।

पटना वासियों को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सौगात, 1159 करोड़ की 17 योजनाओं का किया शिलान्यास और उद्घाटन

पटना **(एजेंसी)**। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज पटना के पुनपुन में आयोजित कार्यक्रम स्थल से पटना जिला अंतर्गत प्रगति यात्रा के दौरान की गई घोषणाओं से संबंधित 1159 करोड़ 84 लाख रुपये लागत की 17 योजनाओं का शिलापट्ट अनावरण कर शिलान्यास, कार्यारंभ एवं लोकार्पण किया। इसके अंतर्गत 19.77 करोड़ रुपये की लागत से पालीगंज प्रखंड अंतर्गत समदा एवं गुलरिया विगहा गांव के बीच पुनपुन नदी पर आरसीसी पुल एवं पहुँच पथ का निर्माण कार्य, 14 करोड़ 99 लाख रुपये की लागत से पालीगंज के उलार सूर्य मंदिर में पर्यटकीय सुविधाओं का विकास कार्य, 88 लाख रुपये की लागत से पुनपुन स्टेशन से अकौना ग्राम होते हुए पटना रिंग रोड को जोड़ने वाली सहायक रोड तक पथ निर्माण कार्य, 41.48 करोड़ रुपये की लागत से सादिकपुर-पभेड़ा-मसौढ़ी पथ के सोहगी मोड़ को पटना-गया रोड के कंडाप को 2-लेन सड़क से जोड़ने के कार्य, 82.99 करोड़ की लागत से पुनपुन पिंडदान स्थल पर निर्मित लक्ष्मण झूला केबल सस्पेंशन पुल का निर्माण कार्य सहित अन्य योजनाओं का शिलान्यास, कार्यारंभ एवं लोकार्पण कार्य शामिल है।

मुख्यमंत्री ने लक्ष्मण केबल सस्पेंशन पुल का फीता काटकर उद्घाटन किया। उद्घाटन के पश्चात् मुख्यमंत्री ने पुल का निरीक्षण किया, इस दौरान वहां उपस्थित लोगों ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। आज के कार्यक्रम के अन्तर्गत 130 करोड़ 10 लाख रुपये की लागत से 9 विद्युत शक्ति उपकेंद्र, 80 करोड़ 12 लाख रुपये की लागत से 17 नये 33 के0 वी0 के लाईनों का निर्माण, 10 करोड़ 20 लाख रुपये की लागत से 8 विद्युत शक्ति उपकेन्द्रों में पावर ट्रांसफार्मर की क्षमता विस्तार का कार्य, 26 करोड़ 2 लाख रुपये की लागत से 20 नये 33 के0वी0 लाईनों

के रिकन्डक्टरिंग के कार्य, 70 करोड़ 31 लाख रुपये की लागत से 21 नये 33 के0वी0 लाईनों का निर्माण कार्य शामिल है। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने 22 करोड़ 99 लाख रुपये की लागत से 18 विद्युत शक्ति उपकेन्द्रों में पावर ट्रांसफार्मर के क्षमता विस्तार, 301 करोड़ 92 लाख रुपये की लागत से 400/220/132 के0वी0 जी0आई0एस0 ग्रिड उपकेन्द्र, बख्तियारपुर एवं संबद्ध संचरण लाईन का निर्माण, 58 करोड़ 27 लाख रुपये की लागत से 132/33 के0वी0 जी0आई0एस0 ग्रिड उपकेन्द्र, बोर्ड कॉलोनी, (पटना) का निर्माण, 15 करोड़ 55 लाख रुपये की लागत से 132 केवी फतुहा जक्कनपुर संचरण लाईन का एच0टी0एल0एस0 द्वारा रिकन्डक्टरिंग के कार्य का शिलान्यास, कार्यारंभ एवं लोकार्पण किया। इसके अलावा 256 करोड़ 06 लाख रुपये की लागत की 400 केवी बक्सर थर्मल पावर प्लांट नौबतपुर (बीजीसीएल) डबल सर्किट संचरण लाईन का निर्माण, 14 करोड़ 63 लाख रुपये की लागत से ग्रिड उपकेन्द्र हाथीदह (न्यू) में 220 के0वी0 के 2 जीआईएस लाइन 'बे' का निर्माण और 13 करोड़ 55 लाख रुपये की लागत से 220/132/33 के0वी0 ग्रिड उपकेन्द्र खगौल का जीर्णोद्धार एवं आधुनिकीकरण कार्य शामिल है।

इसके पश्चात् मुख्यमंत्री ने पुनपुन स्थित कार्यक्रम स्थल पर बड़ी संख्या में उपस्थित पेंशनधारी लाभुकों, जीविका दीदियों एवं अन्य लाभुकों के साथ संवाद किया।

सुप्रीम कोर्ट में 27 फीसदी ओबीसी आरक्षण पर भाजपा सरकार रुख पलटने की तैयारी में है-कमलनाथ

भोपाल **(एजेंसी)**। एमपी के पूर्व सीएम कमलनाथ ने पोस्ट करके भारतीय जनता पार्टी को आरक्षण को लेकर कटघरे में खड़ा किया है। कमलनाथ ने लिखा है कि मध्य प्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण बहाल करने की दिशा में भारतीय जनता पार्टी सरकार की मंशा पर एक बार फिर सवाल खड़े हो रहे हैं। कमलनाथ पोस्ट में लिखते हैं जब वो मुख्यमंत्री थे तो 2019 में ओबीसी वर्ग को 27इ आरक्षण दिया था लेकिन आरक्षण को समाप्त करने का काम भाजपा ने किया था।

पिछले छह सालों से भाजपा ओबीसी आरक्षण को लेकर दोमुंही नीति अपना रही है। सार्वजनिक बयानों में तो भाजपा और उसके नेता 27इ ओबीसी आरक्षण का समर्थन करते हैं लेकिन अदालत में और नीति बनाने के मामले में भाजपा 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण का विरोध करती है। अब जब सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की अंतिम सुनवाई शुरू होने वाली है, तब उससे पहले मध्य प्रदेश सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाकर 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता ज़ाहिर की थी। कांग्रेस सहित सभी विपक्षी दलों ने इस मुद्दे पर सरकार को अपना समर्थन दिया था।

अब फिर खबर आ रही है कि

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान सरकार अपने रुख से पलटने की तैयारी कर रही है। इसलिए मैं भाजपा को आगाह करना चाहता हूँ कि वह समाज की बदलती ज़रूरतों को पहचाने। ओबीसी समाज के साथ पिछले छह साल से आप लगातार धोखा कर रहे हैं, उसे अब ओबीसी वर्ग ने अच्छी तरह समझ लिया है। यदि सरकार ओबीसी के 13 प्रतिशत होल्ड पदों पर नियुक्तियां और नई भर्तियों में 27 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित नहीं करा पाती है तो ज़ाहिर हो जाएगा कि भाजपा ने अपना ओबीसी विरोधी षड्यंत्र एक बार फिर चला है। ऐसी स्थिति में बड़े पैमाने पर इसका विरोध करना पड़ेगा क्योंकि ओबीसी का 27 प्रतिशत आरक्षण हर हाल में लागू कराना हमारा संकल्प है।

दक्षिण अफ्रीका के मैथ्यू ब्रीट्जके ने रचा इतिहास वनडे क्रिकेट में तोड़े दो बड़े वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दक्षिण अफ्रीका के 26 वर्षीय बल्लेबाज मैथ्यू बीट्जके ने लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के दूसरे वनडे मैच के दौरान दो अनोखे वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किए। बीट्जके वनडे क्रिकेट इतिहास में अपने शुरुआती पांच मैच की पांच पारी में 50 या उससे ज्यादा स्कोर करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बने। साथ ही बीट्जके ने वनडे क्रिकेट इतिहास में पांच मैचों की पांच पारियों में सबसे ज्यादा रन बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी अपने नाम किया।

बीट्जके ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के दूसरे वनडे में 77 गेंद में 85 रन की पारी खेली। बीट्जके ने अपनी पारी में 7 चौके और तीन छक्के जड़े। जोफ्रा आर्चर ने उन्हें शतक पूरा करने से रोक दिया। भले ही बीट्जके लॉर्ड्स में शतक पूरा नहीं कर सके लेकिन अपनी 85 रन की पारी के साथ वो वनडे क्रिकेट इतिहास में पांच वनडे मैच की पांचों पारियों में 50 या उससे ज्यादा स्कोर करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए। इससे पहले वनडे क्रिकेट में कोई भी बल्लेबाज पांच वनडे मैच की पांचों पारियों में 50 नहीं कर पाया।

साथ ही बीट्जके ने वनडे क्रिकेट में पहली पांच पारियों में सबसे ज्यादा रन बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। उन्होंने अबतक खेले पांच वनडे मैच की पांच पारी में 463 रन बनाए हैं जो नया वर्ल्ड रिकॉर्ड है। इस मामले में उन्होंने न्यूजीलैंड के टॉम कूपर का रिकॉर्ड तोड़ा। कूपर ने वनडे क्रिकेट में अपनी पहली पांच पारी में 374 रन बनाए थे।

मैथ्यू बीट्जके ने वनडे करियर की शुरुआत न्यूजीलैंड के खिलाफ 150 रन की शतकीय पारी के साथ की। इसके बाद पाकिस्तान के खिलाफ 83, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 57 और 88 रन की पारी खेली। बीट्जके ने इंग्लैंड के खिलाफ अपने जादुई प्रदर्शन को बरकरार रखा और लॉर्ड्स में 85 रन बनाए। बीट्जके पांच वनडे में एक शतक और चार अर्धशतक जड़ चुके हैं।

गौर है कि दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के बीच तीन मैच की वनडे सीरीज का तीसरा मुकाबला अभी शेष है। अगर बीट्जके अपने वनडे करियर के छठे मैच में 37 रन बना लेते हैं तो वो वनडे इतिहास में सबसे तेज गति से 500 रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बन जाएंगे। अगर ये कारनामा बीट्जके अर्धशतक के साथ करते है तो उनकी इस उपलब्धि में चार चांद लग जाएंगे।

एशिया कप हॉकी : एशिया कप में भारत की बंपर जीत मलेशिया को 4-1 से हराया; फाइनल में जगह लगभग पक्की

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत ने बृहस्पतिवार को यहां पुरुष एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट के सुपर 4 चरण के अपने दूसरे मैच में मलेशिया को 4-1 से हरा दिया। भारतीय टीम ने धीमी शुरुआत की जबकि शफीक हसन ने दूसरे ही मिनट में मलेशिया को बढ़त दिला दी लेकिन मेजबान टीम ने शानदार वापसी की। मनप्रीत सिंह (17वें मिनट), सुखजीत सिंह (19वें मिनट), शिलानंद लाकड़ा (24वें मिनट) और विवेक सागर प्रसाद (38वें मिनट) ने भारत के लिए गोल किए। भारत ने बुधवार को अपने पहले सुपर 4 मैच में कोरिया के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेला था। इस जीत से भारत दो मैच में चार अंक के साथ सुपर 4 तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया है। वह चीन और मलेशिया से आगे है जिनके तीन-तीन अंक हैं जबकि गत चैंपियन कोरिया केवल एक अंक के साथ अंतिम स्थान पर है। शुक्रवार को विश्राम के बाद भारत शनिवार को सुपर 4 के अपने अंतिम मैच में चीन से भिड़ेगा जबकि मलेशिया का सामना कोरिया से होगा। रविवार को होने वाले फाइनल में अपनी जगह पक्की करने के लिए भारत को चीन

के खिलाफ सिर्फ ड्रॉ की आवश्यकता है। मलेशिया बृहस्पतिवार को अपने दो मुख्य खिलाड़ियों के बिना खेला। पिछले मैच में चीनी खिलाड़ियों के साथ मैदान पर हुई झड़प के बाद अनुशासनहीनता के कारण फितरी सारी को मैच के लिए निलंबित कर दिया गया था।

अबू कमाल अजराई भी भारत के खिलाफ नहीं खेले। भारत को दूसरे ही मिनट में झटका लगा जब मलेशिया ने हसन के गोल से बढ़त बना ली। मलेशियाई खिलाड़ी हसन ने संजय और जुगराज सिंह को चकमा देकर अपनी रिवर्स स्टिक से गेंद को गोल में पहुंचा दिया। पहले क्वार्टर में भारतीय रक्षा पंक्ति थोड़ी कमजोर दिखी लेकिन उसने कोई और गोल नहीं खाया। शुरुआती हमले को छोड़कर भारत ने पहले क्वार्टर में गेंद पर कब्जा और मौकों के मामले में दबदबा बनाए रखा।

भारत ने अपना आक्रामक खेल जारी रखा और दूसरे क्वार्टर के शुरुआती मिनट में लगातार पांच पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए जिनमें से आखिरी को मनप्रीत ने गोल में बदला। मनप्रीत ने कप्तान हरमनप्रीत सिंह के फ्लिक को हाफिजुद्दीन ओथमान द्वारा बचाए जाने के बाद रिबाउंड से गोल किया। भारतीय खिलाड़ियों ने फिर जोरदार हमले किए और दो मिनट बाद उनके प्रयास रंग लाए। शिलानंद से मिले पास पर सुखजीत ने नजदीक से गोल दागा। इस बढ़त के बाद भारतीय खिलाड़ी अलग नजर आए और उन्होंने मलेशियाई गोल पर लगातार हमले करते रहे। भारत ने जल्द ही शिलानंद के जरिए स्कोर 3-1 कर दिया। हार्दिक सिंह ने दिलप्रीत सिंह को पास दिया और शिलानंद ने मलेशियाई गोलकीपर के पास से इसे डिफ्लेक्ट कर दिया।

अगस्त 2025 में भारत का यूरोप को डीजल निर्यात 137 फीदसी बढ़ा, रोजाना 2.42 लाख बैरल भेजा

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। अमेरिका ने रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदने पर भारत पर 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया है। वहीं, भारत से यूरोप को डीजल के निर्यात में तेज़ी देखी जा रही है। अगस्त 2025 में भारत ने यूरोप को रोजाना 2.42 लाख बैरल डीजल भेजा, जो पिछले साल के मुकाबले 137इ ज्यादा है। विशेषज्ञों के मुताबिक यह तेजी यूरोपीय संघ द्वारा जनवरी 2026 से रूस से कच्चे तेल से बने उत्पादों के आयात पर लगने वाले प्रतिबंध की तैयारी के कारण है। यूरोप इस प्रतिबंध से पहले डीजल का बड़ा स्टॉक जमा कर रहा है।

भारत की प्रमुख कंपनियां, जैसे रिलायंस इंडस्ट्रीज, रूस से कच्चा तेल खरीदकर उसे प्रोसेस कर यूरोप को डीजल निर्यात करती हैं। अगर यूरोपीय संघ का प्रतिबंध लागू हुआ तो इन कंपनियों को नुकसान हो सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अगस्त में यूरोप को डीजल का निर्यात जुलाई के मुकाबले 73इ और पिछले एक साल के औसत से 124इ ज्यादा था।

यूरोपीय संघ ने साफ किया है कि जनवरी 2026 से केवल उन उत्पादों को स्वीकार किया जाएगा जिनमें इस्तेमाल किए गए कच्चे तेल की उत्पत्ति देश स्पष्ट हो। अगर कोई देश रूस से तेल लेकर उसे प्रोसेस कर निर्यात करता है, तो उस पर प्रतिबंध लग सकता है।

अमेरिका ने कहा है कि भारत के रिफाइनर सस्ता रूसी तेल खरीदकर उसे प्रोसेस कर महंगे दामों पर पश्चिमी देशों को बेच रहे हैं। इससे रूस को अप्रत्यक्ष रूप से आर्थिक मदद मिलती है, जो यूक्रेन युद्ध में इस्तेमाल हो सकती है। भारत ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि वह अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन करता है और अगर पश्चिमी देश चाहें तो भारतीय ईंधन खरीदना बंद कर सकते हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने महिला विश्व कप के लिए टीम का ऐलान किया, 10 प्लेयर्स पहले भी खेल चुकी हैं विश्व कप

मेलबर्न **(एजेंसी)**। ऑस्ट्रेलिया ने अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज एलिसा हीली की अगुवाई में महिला वनडे विश्व कप के लिए शुक्रवार को अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित की जिसमें बाएं हाथ की स्पिनर सोफी मोलिनक्स ने चोट से उबरने के बाद वापसी की। सात बार का चैंपियन ऑस्ट्रेलिया मौजूदा चैंपियन भी है और आगामी प्रतियोगिता में भी वह अपना दबदबा कायम रखना चाहेगा, जो 30 सितंबर से दो नवंबर तक भारत और श्रीलंका में आयोजित की जाएगी। विक्टोरिया की स्पिनर मोलिनक्स घुटने की चोट के कारण जनवरी से ही बाहर थी। वह हालांकि 14 से 20 सितंबर तक भारत के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में नहीं खेल पाएगी। डार्सी ब्राउन (क्वाड) और जॉर्जिया वेयरहैम (ग्रोइन) भी अपनी हाल की चोटों से उबरकर टीम में वापसी करने में सफल रही।

ऑस्ट्रेलिया की टीम में 10 ऐसी खिलाड़ी भी शामिल हैं जो 2022 में खेले गए पिछले टूर्नामेंट का भी हिस्सा थी। इस टीम में एलिस पेरी, बेथ मूनी, एनाबेल सदरलैंड, ताहलिया मैकग्रा और एशले गार्डनर जैसी अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं। आस्ट्रेलिया अपना अभियान एक अक्टूबर को इंदौर में न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू करेगा।

वनडे विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम : एलिसा हीली (कप्तान), डार्सी ब्राउन, ऐश गार्डनर, किम गार्थ, ग्रेस हैरिस, अलाना किंग, फोएबे लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्रा, सोफी मोलिनक्स, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगन शुट्ट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा पर 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का मामला, लुकआउट सर्कुलर जारी

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के खिलाफ मुंबई पुलिस ने लुकआउट सर्कुलर जारी किया है। मामला निवेश के नाम पर एक व्यवसायी से 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी से जुड़ा है।

समाचार चैनल एनडीटीवी ने सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि शिल्पा और राज पर बेस्ट डील टीवी प्राइवेट लिमिटेड के लिए ये धोखाधड़ी की थी। बिजनेसमैन दीपक कोठारी का आरोप है कि शिल्पा और राज ने अपने बिजनेस को बढ़ाने के नाम पर उससे 60 करोड़ रुपये लिए थे।

कोठारी ने कहा कि दोनों ने इस रकम को अपने पर्सनल खर्चों में उड़ा दिया। पहले उसे कहा गया कि यह रकम लोन के तौर पर ली जा रही है, लेकिन बाद में टैक्स बचाने का दावा करते हुए इसे इंवेस्टमेंट के तौर पर दिखाया गया। कोठारी ने कहा कि इस रकम पर 12 फीसदी का सालाना ब्याज देने का भी वादा किया गया था।

दीपक कोठारी ने ये भी कहा कि शिल्पा शेट्टी ने खुद उन्हें लिखित रूप में इसकी गारंटी दी थी, लेकिन बाद में शिल्पा ने फर्म के डायरेक्टर के पद से इस्तीफा दे दिया। कोठारी ने कहा कि उन्हें काफी बाद में पता चला कि कंपनी के खिलाफ 1.28 करोड़ रुपये के दिवालियापन का मामला भी चल रहा है।

हालांकि शिल्पा और राज की तरफ से इन सभी आरोपों का खंडन किया गया है और इसके बदनाम करने के उद्देश्य से लगाए गए आरोप कहा है। आर्थिक अपराध शाखा शिल्पा और राज के ट्रैवल रिकॉर्ड की भी जांच कर रही है और कंपनी के ऑडिटर को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया है।

भारत में एप्पल की बिक्री ने बनाया नया रिकॉर्ड, आईफोन की मांग में जबरदस्त उछाल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वित्त वर्ष 2024-25 में एप्पल की भारत में बिक्री 9 अरब डॉलर (करीब ?75, 000 करोड़) के ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गई। यह दर्शाता है कि देश में एप्पल के डिवाइस की मांग बढ़ रही है। यह पिछले साल के मुकाबले करीब 13इ ज्यादा है। आईफोन की सबसे ज्यादा मांग रही, जबकि मैकबुक और अन्य डिवाइस की बिक्री में भी तेजी दर्ज हुई।

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, यह उछाल ऐसे समय आया है जब वैश्विक स्तर पर स्मार्टफोन की बिक्री धीमी हो रही है। भारत अभी एप्पल की कुल कमाई का छोटा हिस्सा है लेकिन कंपनी यहां आक्रामक तरीके से निवेश कर रही है।

हाल ही में बैंगलोर और पुणे में नए स्टोर खोले गए हैं और जल्द ही मुंबई व नोएडा में भी रिटेल स्टोर शुरू होंगे। कंपनी भारत को चीन के विकल्प के रूप में बड़ा बाजार मान रही है और यहां मैन्युफैक्चरिंग भी तेज़ी से बढ़ा रही है। हर पांच में से एक आईफोन अब भारत में बन रहा है।

एप्पल के सीईओ टिम कुक कई बार कह चुके हैं कि भारत कंपनी के लिए सबसे तेज़ी से बढ़ते बाजारों में शामिल है।

भारत में आईफोन की कीमतें काफी ज्यादा हैं। जैसे आईफोन16 की शुरुआती कीमत 79, 900 रुपए है जबकि अमेरिका में यह 799 डॉलर (करीब ?70, 000) है। कंपनी ने बिक्री बढ़ाने के लिए स्टूडेंट डिस्काउंट, ट्रेड-इन ऑफर और बैंक ऑफर्स जैसे उपाय किए हैं। इससे बिक्री को बढ़ावा मिला है।

जीएसटी सुधारों से बढ़ेगी खपत, बढ़ेगी आय! सीतारमण बोलीं- मध्यम वर्ग का हित सर्वोपरि

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को घोषणा की कि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि जीएसटी कर सुधारों का लाभ देश के सभी आम लोगों तक पहुँचे। इंडिया टुडे टीवी और आज तक के साथ एक साक्षात्कार में, मंत्री ने उल्लेख किया कि 22 सितंबर के बाद सरकार के पास बहुत काम है और विश्वास व्यक्त किया कि जीएसटी सुधारों का लाभ आम लोगों तक पहुँचेगा। निर्मला सीतारमण ने कहा कि हमारा मुख्य ध्यान यह सुनिश्चित करने पर होगा कि दरों में कटौती का लाभ जनता तक पहुँचे। 22 सितंबर के बाद हमारे पास बहुत काम है। यह एक बड़ी सतर्कता प्रक्रिया है और हमें विश्वास है कि इसका लाभ आम आदमी तक पहुँचेगा।

सीतारमण ने ज़ोर देकर कहा कि नए जीएसटी सुधार देश के मध्यम वर्ग और आम आदमी की बुनियादी ज़रूरतों और आकांक्षाओं को ध्यान में रखकर बनाए गए हैं। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि 90 प्रतिशत वस्तुएँ पाँच प्रतिशत या उससे कम कर स्लैब में आती हैं, जबकि केवल एक प्रतिशत वस्तुएँ ही 40 प्रतिशत कर दर को छूती हैं। सीतारमण ने कहा कि आम आदमी और मध्यम वर्ग, उनकी बुनियादी ज़रूरतें और आकांक्षाएँ जीएसटी सुधारों का मुख्य केंद्र हैं। 99 प्रतिशत वस्तुएँ अब 5इ या उससे कम कर श्रेणी में हैं। केवल एक प्रतिशत ही 40इ कर श्रेणी में आई हैं।'

केंद्रीय वित्त मंत्री ने बताया कि सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों और बीमा कंपनियों सहित उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने सरकार को जीएसटी सुधारों को लागू करने में पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा, 'अगर कोई कंपनी इसके विपरीत कहती है, तो हम उनसे बात करेंगे। खपत बढ़ेगी और आय भी बढ़ेगी।' कांग्रेस और विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए, सीतारमण ने कहा कि वे जीएसटी 2.0 सुधारों का श्रेय लेने की कोशिश कर रहे हैं, जिसे उन्होंने कभी 'गब्बर सिंह टैक्स' कहा था। सीतारमण ने कहा, 'जो लोग कभी वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को 'गब्बर सिंह टैक्स' कहकर उसका मज़ाक उड़ाते थे, वे अब सरकार के जीएसटी 2.0 सुधारों का श्रेय लेने की कोशिश कर रहे हैं।'

जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक में 12 प्रतिशत और 28 प्रतिशत की दरों को मिलाकर जीएसटी दरों को 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत के दो स्लैब में तर्कसंगत बनाने का निर्णय लिया गया। 5इ स्लैब में आवश्यक वस्तुएं और सेवाएं शामिल हैं, जिनमें खाद्य और रसोई की वस्तुएं जैसे मक्खन, घी, पनीर, डेयरी स्प्रेड, पहले से पैक नमकीन, भुजिया, मिश्रण और बर्तन; कृषि उपकरण जैसे ड्रिप सिंचाई प्रणाली, स्प्रिंकलर, जैव-कीटनाशक, सूक्ष्म पोषक तत्व, मिट्टी तैयार करने की मशीनें, कटाई के उपकरण, ट्रैक्टर और ट्रैक्टर के टायर; हस्तशिल्प और लघु उद्योग जैसे सिलाई मशीन और उनके पुर्जे और स्वास्थ्य एवं कल्याण जैसे चिकित्सा उपकरण और डायग्नोस्टिक किट शामिल हैं।

दलीप ट्रॉफी : पंत की जगह टीम इंडिया में चुने खिलाड़ी ने खेली शानदार पारी, 3 रन से चूका दोहरा शतक

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। तमिलनाडु के विकेटकीपर बल्लेबाज नारायण जगदीसन दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में दोहरे शतक से महज 3 रन से चूक गए। साउथ जोन की ओर से खेल रहे नारायण ने नॉर्थ जोन के खिलाफ मुकाबले में 197 रन की शानदार पारी खेली।

जगदीसन के प्रथम श्रेणी में शानदार प्रदर्शन के कारण उन्हें इंग्लैंड दौरे पर आखिरी टेस्ट मैच के लिए ऋषभ पंत की जगह भारतीय टीम में शामिल किया गया था। आखिरी टेस्ट से पहले पंत को पैर में चोट लग गई जिस वजह से जगदीशन भारतीय स्क्वाड में चुने गए। लेकिन उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ प्लेइंग-11 में खेलने का मौका नहीं मिला।

जगदीशन ने दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में दूसरे दिन की शुरुआत नाबाद 148 रन के स्कोर से की। उन्होंने पहले दिन अपना 11वां प्रथम श्रेणी शतक लगाया। दूसरे दिन के पहले सत्र में उन्होंने शानदार 197 रन बनाए लेकिन तीन रन से दोहरा शतक चूक गए।

जगदीशन पहले ही प्रथम श्रेणी क्रिकेट में दो दोहरे शतक लगा चुके है। जगदीशन ने रणजी ट्रॉफी के पिछले सीजन की 13 पारियों में 56 की औसत से 674 रन बनाए थे। जिसमें दो शतक और 5 अर्धशतक शामिल थे। पिछले सीजन ही जगदीशन ने रणजी ट्रॉफी में लगातार 200ह का स्कोर बनाया। रेलवे के खिलाफ 245ङ रन बनाने के बाद चंडीगढ़ के खिलाफ 321 रन का अपना व्यक्तिगत सर्वोच्च स्कोर भी बनाया।

दाएं हाथ के बल्लेबाज जगदीशन का प्रथम श्रेणी क्रिकेट में औसत अब 49.58 है और अगर पंत और जुरेल दोनों समय पर ठीक नहीं हो पाते हैं तो वह भारत के लिए डेब्यू भी कर सकते है।

बिग बॉस 19 में रिश्तों का खेल बिगड़ा! अशनूर कौर ने नेहल चुडासमा को फटकारते हुए कहा- 'अब हदें नहीं चलेगी!'

रियलिटी शो बिग बॉस 19 का आने वाला एपिसोड एक और ड्रामा का वादा करता है। नए प्रोमो में, अशनूर कौर और नेहल चुडासमा के बीच तीखी बहस होती दिखाई दे रही है, जहाँ अशनूर नेहल को अपनी हदें न लांघने की चेतावनी देती हैं। झगड़ा तब शुरू होता है जब अशनूर नेहल से उसकी पिछली टिप्पणी के बारे में पूछती हैं। अशनूर उनसे कहती हैं, 'जैसा आपने बोला, सच में मुझे वो पसंद नहीं आया।' जिस पर नेहल जवाब देती हैं, 'मैं आपको एक उदाहरण देने के लिए इसे पर्सनल बना रही थी।' अशनूर इस पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहती हैं, 'आपको कुछ भी पर्सनल बनाने की ज़रूरत नहीं है।' हालाँकि, नेहल अपना बचाव करते हुए कहती हैं, 'दो घंटे हो गए हैं। आपने एक बार भी कुछ नहीं कहा। इसलिए मुझे इसे पर्सनल बनाना पड़ा।'

इसी बीच, कुणिका सदानंद और ज़ीशान कादरी के बीच एक और नाटकीय लड़ाई हुई, जिससे कुणिका की आँखों में आँसू आ गए। 5 सितंबर का एपिसोड घर के अंदर ड्रामा और टकराव का ज़बरदस्त डोज़ पेश करता है। आगामी एपिसोड का प्रोमो इस हंगामे की एक झलक दिखाता है। इसमें अशनूर और नेहल के बीच बहस होती दिखाई दे रही है, और बहस जल्द ही निजी हो जाती है। परेशान दिख रही अशनूर ने नेहल से कहा, 'जैसा आपने बोला, सच में मुझे यह पसंद नहीं आया। आपको किसी भी बात को निजी बनाने की ज़रूरत नहीं है।' इस पर नेहल ने पलटवार करते हुए कहा, 'मैं आपको एक उदाहरण देने के लिए इसे निजी बना रहा था। अगर यह आपके साथ होगा तो आप क्या करोगे?'

उसके जवाब से अशनूर भड़क उठीं और गुस्से में चिल्लाईं, 'तुम मेरे साथ ऐसा नहीं कर सकते। मेरे साथ अपनी हदें मत पार करो।'

बिग बॉस 19 का घर एक बार फिर खाने को लेकर अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। इस बार झगड़ा इसलिए हुआ क्योंकि सबको अपना हिस्सा मिलने से पहले ही पूड़ियाँ खत्म हो गईं। कुनिका बाथरूम में इस मुद्दे पर बात करती दिखीं, तभी ज़ीशान कादरी बाहर आए और नेहल से पूछा कि किस-किस ने कितनी-कितनी पूड़ियाँ खाईं। उन्होंने आगे कहा कि सबको अपना हिस्सा पता है, तो कोई ज़्यादा कैसे खा सकता है, और फिर उन्होंने तीखे स्वर में कहा, 'क्या घर के सभी सदस्य चोर हैं?' इस पर कुनिका ने शांति से जवाब दिया कि बात ज़्यादा खाने की नहीं, बल्कि बस इतनी थी कि पूड़ियाँ खत्म हो गई थीं।

बिग बॉस 19 में तान्या मित्तल ने कविता से सबकी बोलती बंद की, साबित कर दिया क्यों हैं 'रियल बॉस'

तान्या मित्तल बिग बॉस 19 की सबसे चर्चित प्रतियोगियों में से एक बन गई हैं। 'आध्यात्मिक प्रभावक' ने शो में अपनी टिप्पणियों से सबका ध्यान खींचा। बिग बॉस 19 के पहले एपिसोड में, तान्या मित्तल ने घरवालों से उन्हें "दे' कहने को कहा। फिर उन्होंने दावा किया कि उनके भाई भी उन्हें 'बॉस' कहकर बुलाते हैं और उन्हें यह बहुत पसंद है। तान्या मित्तल की एक और टिप्पणी जिसने सबका ध्यान खींचा, वह थी जब उन्होंने दावा किया कि वह 'बाथरूम में' साड़ी पहनती हैं क्योंकि वह 'ज़्यादा खुली नहीं रहतीं।' बिग बॉस 19 के घर में तान्या मित्तल के बॉडीगार्ड भी लगातार चर्चा का विषय रहे हैं। तान्या ने शुरुआत में कहा था कि उन्हें अपनी सुरक्षा के साथ घूमना पसंद है, लेकिन कुछ घरवालों ने बाद में बताया कि उनके पास 150 से ज़्यादा बॉडीगार्ड हैं।

सलमान खान द्वारा होस्ट किया जा रहा बिग बॉस 19 लगातार उतार-चढ़ाव से दर्शकों को बांधे हुए है। इस एपिसोड में 'द बिग बॉस शो' नाम का एक बिल्कुल नया सेगमेंट शुरू हुआ, जो गायन, नृत्य, अभिनय और खूब सारी तीखी बहसों से भरपूर एक इन-हाउस मनोरंजन कार्यक्रम है।

बिग बॉस ने घोषणा की कि नीलम शो की शुरुआत करेंगी, 'आवाज़' शो का समापन करेंगी और ज़ीशान होस्ट की भूमिका निभाएंगे। जहाँ एक ओर प्रतियोगियों ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, वहीं तान्या मित्तल ने अपनी भावपूर्ण कविता से सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। इस सीज़न में अपने तीखे तेवरों और बेबाक व्यक्तित्व के लिए जानी जाने वाली तान्या मित्तल ने टास्क के दौरान अपना एक अलग ही रूप दिखाया।

आध्यात्मिक प्रभावक ने फरहाना पर तंज कसते हुए घर की घटनाओं का वर्णन करते हुए एक कविता सुनाई, जिसका अंत इस पंक्ति से हुआ, 'हीन भावना की तुम सबको बीमारी है।' उनके प्रभावशाली शब्द घरवालों और दर्शकों, दोनों को पसंद आए।

सोशल मीडिया ने तान्या के इस काव्यात्मक पल पर तुरंत प्यार बरसाया। एक एक्स यूज़र ने लिखा, 'उसने सिर्फ़ परफ़ॉर्म ही नहीं किया, बल्कि उस कविता से पूरे एपिसोड पर छा गई।' एक अन्य यूज़र ने लिखा, 'मनोरंजन टास्क में तान्या मित्तल की रचनात्मकता साफ़ दिखाई दी। हम पहले से ही उनकी भाषा पर पकड़ के बारे में जानते थे, लेकिन उन्होंने यह भी साबित कर दिया कि वह लिखने में भी कितनी अच्छी हैं–एक कविता के ज़रिए अपने विचारों को इतनी खूबसूरती से व्यक्त करके।'

द्रमुक को सत्ता से हटाने के लिए अन्नाद्रमुक कार्यकर्ता एकजुट हों

शशिकला का सेंगोट्टैयन की एकता को समर्थन

चेन्नई **(एजेंसी)**। तमिलनाडु की दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता की करीबी सहयोगी वीके शशिकला ने शुक्रवार को कहा कि अन्नाद्रमुक नेता केए सेंगोट्टैयन का पार्टी में एकता का आह्वान अब हर एक पार्टी कार्यकर्ता की आवाज़ है। इससे पहले, सेंगोट्टैयन ने वीके शशिकला, ओ पन्नीरसेल्वम और टीटीवी दिनाकरन सहित निष्कासित नेताओं को पार्टी में शामिल करने का आह्वान करते हुए तर्क दिया कि चुनाव जीतने के लिए पार्टी के लिए यह ज़रूरी है।

अन्नाद्रमुक की पूर्व अंतरिम महासचिव शशिकला ने एक बयान में कहा कि हमारे वरिष्ठ नेता और पार्टी विधायक, प्रिय भाई सेंगोट्टैयन ने साबित कर दिया है कि अन्नाद्रमुक एक अविनाशी शक्ति है जिसे कोई भी शक्ति मिटा नहीं सकती। वह कई कठिन समय में पार्टी के साथ मजबूती से खड़े रहे हैं। उन्होंने दिखाया है कि उनकी रगों में जो बहता है वह अन्नाद्रमुक का खून है। एकता का उनका आह्वान अब हर एक पार्टी कार्यकर्ता की आवाज है और वास्तव में, तमिलनाडु के लोगों की आवाज है। मैं भी इस बात पर जोर देती हूं।

वीके शशिकला ने कहा कि द्रमुक की साजिशों को विफल करने के लिए, अन्नाद्रमुक के प्रत्येक पार्टी कार्यकर्ता को एकजुट होकर एकजुट होना होगा। उन्होंने कहा कि जब तक हमारे प्यारे भाई सेंगोट्टैयन जैसे सच्चे वफ़ादार मौजूद हैं, तब तक द्रमुक जैसी दुष्ट ताकतें चाहे कितनी भी कोशिशें कर लें, उनके नापाक मंसूबे कभी कामयाब नहीं होंगे। द्रमुक की साजिशों को विफल करने के लिए, प्रत्येक पार्टी कार्यकर्ता को एकजुट होकर एकजुट होना होगा। हमारे दो महान नेताओं द्वारा निर्मित यह आंदोलन एक प्रचंड बाढ़ की तरह है जिसे कोई भी बांध कभी नहीं रोक सकता।

मनोज जरांगे का बड़ा दावा : मराठा 1881 से ही आरक्षण के हकदार

भुजबल पर भी साधा निशाना, ओबीसी नेताओं को नहीं बढ़ने दिया, खुद का स्वार्थ साधा

मुम्बई **(एजेंसी)**। सामाजिक कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने शुक्रवार को कहा कि मराठा समुदाय 1881 से ही आरक्षण का हकदार था लेकिन इस समुदाय ने पहले यह मांग नहीं की क्योंकि यह एक प्रगतिशील समूह था किंतु अब उसे अपनी पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित करने के लिए आरक्षण की जरूरत है। छत्रपति संभाजीनगर के एक अस्पताल में पत्रकारों से बातचीत में जरांगे ने यह बात कही। मुंबई में पांच दिवसीय भूख हड़ताल समाप्त करने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने महाराष्ट्र के मंत्री और प्रमुख ओबीसी नेता छगन भुजबल पर अपने समूह के अन्य लोगों को आगे नहीं बढ़ने देने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा, '' मराठा समुदाय 1881 से ही आरक्षण का पात्र है (हैदराबाद गजट का हवाला देते हुए)। हमारे पूर्वज प्रगतिशील थे, इसलिए उन्होंने इसका लाभ नहीं उठाया। लेकिन हमें आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करना होगा। इसलिए आरक्षण हमारे लिए जरूरी बन गया है।'' जरांगे ने मंगलवार को दक्षिण मुंबई के आजाद मैदान में अपना अनशन समाप्त कर दिया था क्योंकि महाराष्ट्र सरकार ने मराठों को उनकी कुनबी विरासत के ऐतिहासिक साक्ष्य पेश करने पर कुनबी जाति प्रमाणपत्र जारी करने के वास्ते एक समिति गठित करने की घोषणा की थी।

राज्य सरकार ने एक सरकारी आदेश (जीआर) जारी किया, जिसमें हैदराबाद गजट के कार्यान्वयन का उल्लेख किया गया है। जरांगे ने दावा किया, '' कई लोग अचानक 'विशेषज्ञ' बन गए हैं और जीआर की आलोचना कर रहे हैं। हालांकि वे हमारे समुदाय से हैं और मराठों के लिए सहानुभूति रखते हैं। जीआर के मसौदे में जो भी मुझे गलत लगा, मैंने उसे वहीं (मुंबई में) बदलवा दिया।''

कार्यकर्ता ने यह भी दावा किया कि आज़ाद मैदान में विरोध प्रदर्शन के दौरान मराठा समुदाय के सदस्यों के खिलाफ दर्ज मामले वापस लिए जाएंगे। उन्होंने कहा, ''मंत्री प्रताप सरनाईक और उदय सामंत इस पर काम कर रहे हैं।'' जरांगे ने यह भी आरोप लगाया कि भुजबल ने सिर्फ़ अपनी छवि बचाने के लिए दूसरे ओबीसी नेताओं को आगे बढ़ने नहीं दिया।

मराठा कार्यकर्ता ने दावा किया, '' वह दूसरे ओबीसी नेताओं का शोषण करते हैं और उन्हें दरकिनार कर देते हैं। जब तक वह बने रहेंगे, किसी (ओबीसी) को उभरने नहीं देंगे।'' उन्होंने कहा कि बंजारा समुदाय ने गजट के आधार पर अनुसूचित जनजाति (एसटी) श्रेणी के तहत आरक्षण की मांग की है और ''अगर उनकी मांग जायज़ है, तो उन्हें आरक्षण मिलना ही चाहिए। गरीबों का शोषण नहीं होना चाहिए।

इससे पहले बॉम्बे हाईकोर्ट ने बुधवार (3 सितंबर, 2025) को कार्यकर्ता मनोज जारंगे पाटिल और मुंबई में मराठा आरक्षण आंदोलन के आयोजकों को पाँच दिवसीय आंदोलन के दौरान सार्वजनिक संपत्ति को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुँचाने के आरोपों का जवाब देते हुए हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति आरती साठे की खंडपीठ को श्री जारंगे के वकीलों ने सूचित किया कि 2 सितंबर की शाम को समस्या का समाधान होने के बाद आंदोलन 'वापस ले लिया गया' था। पीठ ने इस दलील पर गौर करते हुए कहा कि श्री जारंगे और अन्य आयोजकों को कई याचिकाओं में लगाए गए गंभीर आरोपों का जवाब देना होगा।

अदालत ने महाराष्ट्र सरकार और विरोध प्रदर्शन के आयोजकों से प्रदर्शनों के दौरान तोड़फोड़ की खबरों के बारे में भी पूछताछ की। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश ने पूछा, 'कुछ मुद्दे हैं। इसका ध्यान कौन रखेगा? सार्वजनिक संपत्ति को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुँचाया गया। इसकी भरपाई कौन करेगा?'

जम्मू-कश्मीर के हजरतबल दरगाह में ईंट से तोड़ा गया अशोक चिन्ह

भाजपा ने बताया आतंकवादी हमला

श्रीनगर **(एजेंसी)**। जम्मू और कश्मीर वक्फ बोर्ड द्वारा असारी शरीफ हजरतबल दरगाह के पुनर्निर्माण और पुनर्विकास पर राष्ट्रीय प्रतीक चिन्ह को तोड़ दिया गया। हज़रतबल दरगाह की आधारशिला पर राष्ट्रीय प्रतीक चिन्ह को क्षतिग्रस्त करने वाली भीड़ के वायरल वीडियो पर, भाजपा नेता और जम्मू-कश्मीर वक्फ बोर्ड की अध्यक्ष डॉ. दरख़्शां अंद्राबी ने कहा कि यह घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। राष्ट्रीय प्रतीक चिन्ह को क्षतिग्रस्त करना एक आतंकवादी हमला है और हमलावर एक राजनीतिक दल के गुंडे हैं। इन लोगों ने पहले भी कश्मीर को बर्बाद किया और अब खुलेआम दरगाह शरीफ़ के अंदर घुस आए हैं। हमारे प्रशासक बाल-बाल बचे। भीड़ ने उन पर भी हमला किया... इस भीड़ ने राष्ट्रीय प्रतीक चिन्ह को क्षतिग्रस्त करके बहुत बड़ा अपराध किया है। उन्होंने दरगाह की गरिमा को ठेस पहुँचाई है और उनकी पहचान होते ही उन्हें आजीवन दरगाह में प्रवेश करने से प्रतिबंधित कर दिया जाएगा और उनके खिलाफ़ एफ़आईआर दर्ज की जाएगी।

अपने रुख़ की पुष्टि करते हुए, डॉ. अंद्राबी ने कहा कि हज़रतबल के जीर्णोद्धार का उद्देश्य इसकी पवित्रता और जनता के विश्वास को बढ़ाना है। उन्होंने आगे कहा, 'हम इस तरह की शर्मनाक हरकतों को अपने प्रयासों को पटरी से उतारने नहीं देंगे। दरगाहें इबादत और सम्मान की जगहें हैं, और किसी को भी यहाँ राजनीति करने की इजाज़त नहीं दी जाएगी। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता तनवीर सादिक ने कहा कि यह कदम तौहीद की मूल इस्लामी मान्यता के विपरीत है। एक्स पर एक पोस्ट में, सादिक ने कहा कि हालाँकि वह कोई धार्मिक विद्वान नहीं हैं, फिर भी इस्लाम मूर्ति पूजा की सख्त़ मनाही करता है और इसे सबसे बड़ा पाप बताता है। उन्होंने लिखा, 'हमारे ईमान की बुनियाद तौहीद है।

उन्होंने तर्क दिया कि दरगाह के अंदर अशोक चिह्न, जिसे एक मूर्ति के रूप में वर्णित किया गया है, रखना इसी सिद्धांत के विरुद्ध है। सादिक ने आगे कहा, पवित्र स्थानों में केवल तौहीद की पवित्रता झलकनी चाहिए, और कुछ नहीं। दरगाह के आंतरिक भाग का नवीनीकरण और उद्घाटन बुधवार को किया गया।

पंडित धीरेंद्र शास्त्री से सीएम रेखा गुप्ता ने की खास मुलाकात

दिल्ली के विकास की प्रार्थना की, वीडियो वायरल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को बागेश्वरधाम के महंत धीरेन्द्र शास्त्री से अपने आधिकारिक आवास पर मुलाकात की, जहां उन्होंने और उनके परिवार ने शास्त्री से आशीर्वाद लिया।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''बागेश्वर धाम सरकार पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जी मुख्यमंत्री जनसेवा सदन पधारे। स्नेहिल भेंट के लिए आभार।'' मुख्यमंत्री के मुताबिक उन्होंने और उनके परिवार ने शास्त्री से आशीर्वाद लिया और दिल्ली के विकास के लिए प्रार्थना की।

गुप्ता ने कहा, ''मुख्यमंत्री जन सेवा सदन में बागेश्वर धाम के पूजनीय आचार्य धीरेंद्र शास्त्री जी का पावन आगमन हुआ। उनकी ऊर्जा समाज को सेवा, श्रद्धा और सनातन संस्कारों से जोड़ती है।

जनसेवा के इस महायज्ञ में उनकी सहभागिता जनभावनाओं को और भी सशक्त बनाती है तथा हमें निरंतर यह प्रेरणा देती है कि 'सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है'।'' मुख्यमंत्री के मुताबिक, आचार्य धीरेंद्र शास्त्री उनके अनुरोध पर मुख्यमंत्री आवास पर आए थे।

आपकी इतनी हिम्मत? कार्रवाई बंद करो, अजित पवार ने फोन पर महिला आईपीएस को धमकाया

मुम्बई **(एजेंसी)**। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता अजित पवार शुक्रवार को उस समय विवादों में घिर गए जब उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया जिसमें वे कथित तौर पर एक महिला आईपीएस अधिकारी को सोलापुर के एक गांव में अवैध मिट्टी खुदाई के खिलाफ कार्रवाई रोकने के लिए मजबूर कर रहे हैं।

यह घटना दो दिन पहले करमाला तालुका के कुर्दु गाँव में हुई थी, जहाँ उप-विभागीय पुलिस अधिकारी अंजना कृष्णा अवैध 'मुरम' उत्खनन की शिकायतों पर कार्रवाई करने गई थीं - सड़क निर्माण में व्यापक रूप से इस्तेमाल होने वाली सामग्री। अधिकारी के दौरे के दौरान ग्रामीणों के साथ झड़प हो गई, जिसके बाद स्थानीय राकांपा कार्यकर्ताओं ने हस्तक्षेप किया। वीडियो में पार्टी कार्यकर्ता बाबा जगताप को सीधे अजित पवार को फोन करने के बाद कृष्णा को अपना फोन देते हुए देखा गया।

सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में, अजित पवार जगताप के फ़ोन से कृष्णा से बात करते सुने गए। आईपीएस अधिकारी ने पूछा कि मैं आपकी बात समझ सकता हूँ, लेकिन मुझे समझ नहीं आ रहा कि मैं उपमुख्यमंत्री से बात कर रहा हूँ या नहीं। क्या आप मुझे सीधे मेरे नंबर पर कॉल कर सकते हैं? उसके जवाब से पवार भड़क गए और उन्होंने आईपीएस अधिकारी के खिलाफ़ कार्रवाई की धमकी दी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री ने कहा एक मिनट, मैं तेरे ऊपर एक्शन लूँगा। मैं खुद आपसे बात कर रहा हूँ और आप मुझे सीधे फ़ोन करने के लिए कह रहे हैं। आप मुझसे मिलना चाहते हैं। मेरा नंबर ले लो और व्हाट्सएप कॉल करो। इतनी हिम्मत हुई है क्या?

चूँकि अधिकारी उनकी आवाज़ नहीं पहचान पाईं, इसलिए उपमुख्यमंत्री ने बाद में वीडियो कॉल करके उनसे कार्रवाई रोकने का अनुरोध किया। हालाँकि, कृष्णा ने जवाब में कहा कि उन्हें एहसास ही नहीं हुआ कि वह पवार से बात कर रही हैं। बाद में, एनसीपी नेता ने उनसे पूछा कि क्या वह उन्हें चेहरे से पहचानती हैं। इस बीच, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने अजित पवार का बचाव करते हुए कहा कि उनकी टिप्पणी का गलत अर्थ निकाला गया। राज्य पार्टी प्रमुख सुनील तटकरे ने कहा, अजित दादा ने पार्टी कार्यकर्ताओं को शांत करने के लिए आईपीएस अधिकारी को डाँटा होगा। उनका इरादा कार्रवाई को पूरी तरह से रोकने का नहीं था।

सुबह-सुबह फिर डोली धरती, 24 घंटे में तीसरा झटका, दहशत में लोग

काबुल **(एजेंसी)**। अफगानिस्तान एक बार फिर भूकंप के झटकों से कांप उठा। आज तड़के 3:16 बजे, देश के पूर्वी हिस्से में 4.9 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। यह झटका बीते 24 घंटों में तीसरा था। इससे पहले गुरुवार देर रात को 6.2 तीव्रता और बुधवार को 4.8 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया था। इन लगातार झटकों ने न सिर्फ पहले से चल रहे राहत एवं बचाव कार्यों को बाधित किया है, बल्कि लोगों में दहशत का माहौल भी बना दिया है। अफगानिस्तान अब गंभीर मानवीय संकट से गुजर रहा है।

31 अगस्त की रात, अफगानिस्तान के कुनार प्रांत में आए 6.0 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप ने भयंकर तबाही मचाई थी। भूकंप का केंद्र जलालाबाद से 27 किलोमीटर दूर, जमीन से लगभग 10 किलोमीटर की गहराई में था। यह झटका इतना तेज था कि इसके प्रभाव पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद तक महसूस किए गए, जो करीब 400 किलोमीटर दूर है।

तालिबान सरकार के अनुसार, इस भूकंप से कम से कम 2, 205 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 3, 600 से अधिक लोग घायल हुए हैं। मरने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है क्योंकि मलबे में फंसे शवों को निकाला जा रहा है।

भूकंप प्रभावित क्षेत्रों में अधिकतर मकान मिट्टी, कच्ची ईंटों और लकड़ी से बने थे, जो झटकों को सहन नहीं कर पाए और पूरी तरह ढह गए। कुनार, नंगरहार, लगमन, नूरिस्तान जैसे प्रांतों में कई गांव पूरी तरह मलबे में तब्दील हो गए। अधिकतर प्रभावित इलाके पहाड़ी क्षेत्रों में स्थित हैं, जहां लोग नदी की घाटियों में रहते हैं।

ओयो का पहली तिमाही का शुद्ध लाभ दोगुना होकर 200 करोड़ रुपये, 1:1 बोनस शेयर का प्रस्ताव

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। ऑनलाइन यात्रा बुकिंग मंच ओयो के संस्थापक रितेश अग्रवाल ने शुक्रवार को शीर्ष प्रबंधन को भेजे एक ईमेल में बताया कि मजबूत राजस्व वृद्धि से पहली तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ दोगुना से अधिक होकर 200 करोड़ रुपये रहा। इस ईमेल की प्रति 'पीटीआई-भाषा' के पास मौजूद है।

इसके अनुसार, अप्रैल-जून की अवधि में कंपनी का राजस्व 47 प्रतिशत बढ़कर 2, 019 करोड़ रुपये हो गया जो एक साल पहले इसी अवधि में 1, 371 करोड़ रुपये था। अग्रवाल ने ईमेल में कहा कि राजस्व वृद्धि की मुख्य वजह होटल 'इन्वेंट्री' का प्रीमियमीकरण और कमरों का बेहतर उपयोग है।

ओयो ने पिछले वर्ष की इसी (अप्रैल-जून) तिमाही में 87 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। शेयरधारकों को लिखे एक पत्र में कंपनी ने 1:1 अनुपात में बोनस

शेयर जारी करने की मंजूरी मांगी है, जिससे इसकी अधिकृत शेयर पूंजी दोगुनी होकर 24, 31, 13, 59, 300 रुपये हो जाएगी। इसने ईएसओपी पूल को 8.8 करोड़ शेयर विकल्प तक बढ़ाने का भी प्रस्ताव दिया है।

शेयरधारकों को दी गई सूचना के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 के लिए ऋण चुकौती के कारण एकमुश्त असाधारण लागत को समायोजित करने के बाद ओयो का शुद्ध लाभ 245 करोड़ रुपये रहा।

शेयरधारकों को लिखे पत्र में कहा गया कि ओयो प्रीमियमीकरण को आगे बढ़ा रहा है, '' साथ ही मूल्य खंड पर अपना मजबूत ध्यान बनाए रखते हुए, ग्राहकों की व्यापक आवश्यकताओं को पूरा कर रहा है।'' '

पीटीआई-भाषा' के पास मौजूद शेयरधारकों को भेजी अधिसूचना के अनुसार समूचे वित्त वर्ष 2024-25 के लिए ओयो ने 16, 250 करोड़ रुपये के बुकिंग मूल्य (जीबीवी) और 6, 252 करोड़ रुपये तक के राजस्व के साथ मजबूत परिचालन प्रदर्शन किया।

मई में 'पीटीआई-भाषा' ने बताया था कि ओयो वित्त वर्ष 2024-25 में 623 करोड़ रुपये के कर के बाद लाभ के साथ सबसे अधिक लाभदायक भारतीय स्टार्टअप बन गया है। यह इसके एकमुश्त असाधारण ऋण चुकौती लागत को शामिल किए बिना है।

दुनिया के पहले खरबपति बन सकते है एलोन मस्क, टेस्ला ने पेश किया ऐतिहासिक वेतन पैकेज

न्यूयॉर्क **(एजेंसी)**। टेस्ला के शेयरधारकों के सामने रखा गया एक नया प्रस्ताव एलोन मस्क को दुनिया का पहला ट्रिलियनेयर बना सकता है। इस प्रस्ताव में कहा गया है कि यदि कंपनी भविष्य में कुछ महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को हासिल कर लेती है, तो मस्क को अभूतपूर्व मात्रा में टेस्ला के शेयर मिल सकते हैं।

इस प्रस्तावित वेतन पैकेज के तहत मस्क को 423.7 मिलियन अतिरिक्त टेस्ला शेयर दिए जा सकते हैं, जिनकी वर्तमान बाजार कीमत के अनुसार कुल वैल्यू 143.5 अरब डॉलर है। हालांकि, ये शेयर तभी मिलेंगे जब कंपनी की मार्केट वैल्यू में जबरदस्त वृद्धि होगी।

एलोन मस्क को यह पूरा शेयर पैकेज तभी मिलेगा, जब टेस्ला का कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन 8.5 ट्रिलियन तक पहुंच जाएगा। वर्तमान में टेस्ला की वैल्यू 1.1 ट्रिलियन है, यानी उसे सात गुना से अधिक की छलांग लगानी होगी। यह आंकड़ा एनवीडिया की मौजूदा मार्केट वैल्यू से करीब दोगुना है, जो इस समय दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी है। टेस्ला के इस प्रस्ताव के साथ एक और सुझाव सामने आया है- कि कंपनी एक्सएआई में निवेश करे। एक्सएआई एलोन मस्क की निजी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी है। अगर यह प्रस्ताव पारित होता है, तो मस्क को अपने व्यापारिक साम्राज्य को और मजबूत करने का मौका मिल सकता है। बता दें कि हाल ही में एक्सएआई ने ट्विटर को खरीद लिया है – वही प्लेटफॉर्म जिसे मस्क ने 2022 में 44 अरब डॉलर की निजी राशि से खरीदा था।

भारत को खत्म करने का समय आ गया है

देश के खिलाफ साजिश रच रहा था विदेशी नेता, मोदी सरकार ने अकाउंट किया ब्लॉक

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। भारत सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए ऑस्ट्रिया के नेता और अर्थशास्त्री गुंथर फेहलिंगर का भारत में सोशल मीडिया अकाउंट ब्लॉक कर दिया है। दरअसल, उन्होंने हाल ही में एक विवादित पोस्ट में भारत को तोड़ने और 'एक्सइंडिया' बनाने की बात कही थी।

फेहलिंगर ने खालिस्तानी समर्थकों के साथ बातचीत के दौरान खालिस्तान का नक्शा साझा किया और लिखा कि भारत को खत्म करने का समय आ गया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूस के करीबी हैं और खालिस्तान की आजादी के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग की जरूरत है।

गृह मंत्रालय और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इस पोस्ट को गंभीर मानते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को अकाउंट ब्लॉक करने के निर्देश दिए। इसके बाद भारत में फेहलिंगर का अकाउंट डिसेबल कर दिया गया।

जब विदेश मंत्रालय से पूछा गया कि क्या इस मुद्दे को ऑस्ट्रिया सरकार के सामने उठाया जाएगा, तो एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि 'उन्हें इतनी अहमियत क्यों दी जाए? वह सिर्फ एक पागल व्यक्ति हैं और किसी आधिकारिक पद पर नहीं हैं।'

फेहलिंगर की पोस्ट के बाद भारतीय यूजर्स ने सोशल मीडिया पर कड़ी नाराज़गी जताई। कई लोगों ने इसे भारत की संप्रभुता और एकता पर सीधा हमला बताया। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जुलाई 2024 में ऑस्ट्रिया का ऐतिहासिक दौरा किया था। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की 41 साल बाद की पहली यात्रा थी और दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होने का जश्न भी मनाया गया था।

ब्रिटेन की उप-प्रधानमंत्री एंजेला रेनर ने दिया इस्तीफा, टैक्स विवाद ने मचाई हलचल

लंदन **(एजेंसी)**। ब्रिटेन की उप-प्रधानमंत्री एंजेला रेनर ने संपत्ति कर यानी टैक्स से जुड़ी गलती स्वीकार करने के बाद शुक्रवार को अपना इस्तीफा दे दिया। यह इस्तीफा प्रधानमंत्री कीर स्टारमर की लेबर सरकार के लिए एक बड़ा झटका साबित हुआ है। रेनर ने कहा कि उन्होंने एक स्वतंत्र जाँच की रिपोर्ट मिलने के बाद इस्तीफा देने का फैसला किया है। इस रिपोर्ट में यह पाया गया कि उन्होंने कानूनी सलाह की पूरी सावधानी नहीं बरती और मंत्रिस्तरीय संहिता का उल्लंघन किया।

एंजेला रेनर पर यह आरोप था कि उन्होंने संपत्ति कर का भुगतान सही तरीके से नहीं किया। इस मुद्दे को लेकर उन्होंने कई बार सफाई दी थी, लेकिन स्वतंत्र जांच में उनके खिलाफ पाया गया कि उन्होंने प्राप्त कानूनी सलाह को ठीक से नहीं समझा और उसका पालन नहीं किया। इस कारण वे मंत्रिस्तरीय संहिता के नियमों के उल्लंघन में शामिल मानी गईं।

रेनर का इस्तीफा ब्रिटेन की लेबर सरकार के लिए बहुत बड़ा झटका माना जा रहा है। वे सरकार की दूसरी सबसे बड़ी नेता थीं और उनके इस्तीफे से सरकार की छवि पर असर पड़ा है। प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने भी इस मुद्दे पर बयान दिया है और कहा है कि वे स्थिति को संभालने के लिए पूरी कोशिश करेंगे।

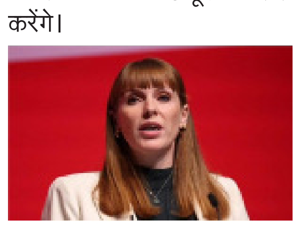

हताश अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बोले- हमने रूस और भारत को खो दिया

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में एक बड़ा बयान दिया है, जिसने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में तहलका मचा दिया है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने भारत और रूस को अपनी पकड़ से खो दिया है और दोनों देश अब चीन के बढ़ते प्रभाव के अधीन आ गए हैं।

ट्रंप ने ट्विट कर लिखा, 'लगता है हमने भारत और रूस को खो दिया है – और वो अब सबसे गहरे, सबसे अंधेरे चीन के साथ जा मिले हैं। खैर, ईश्वर करे उनकी जोड़ी लंबे समय तक चले और खूब फलती-फूलती रहे!' यह टिप्पणी उन्होंने इस सप्ताह चीन के तियांजिन में हुई शंघाई सहयोग संगठन की बैठक के बाद की।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के शी जिनपिंग की एक तस्वीर भी साझा की। इसके साथ उन्होंने लिखा, 'लगता है हमने भारत और रूस को गहरे और अंधेरे चीन को सौंप दिया है। ईश्वर करें उनका भविष्य लंबा और समृद्ध हो।'

इस सप्ताह की शुरुआत में तियांजिन में विश्व के कई प्रमुख नेताओं ने शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में हिस्सा लिया। इस बैठक को खासतौर पर ट्रंप की

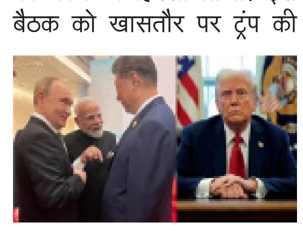

भारत के खिलाफ कड़ी टैरिफ नीतियों के प्रति चुनौती के रूप में देखा गया। बैठक में प्रधानमंत्री मोदी, शी जिनपिंग और पुतिन के बीच दिखाए गए दोस्ताना और मजबूत संबंधों ने वैश्विक मंच पर खासा ध्यान खींचा, खासकर पश्चिमी देशों में।

विशेषज्ञों ने इस बैठक को 'वैश्विक सत्ता के समीकरणों में नाटकीय बदलाव' के रूप में भी बताया है। भारत, रूस और चीन के बीच बढ़ती निकटता ने अमेरिका के रणनीतिक प्रभुत्व को चुनौती दी है, जिसे ट्रंप ने अपने बयान में भी स्वीकार किया है। ट्रंप के इस बयान ने वैश्विक कूटनीति में नए सवाल खड़े कर दिए हैं और आने वाले समय में इसके प्रभावों पर भी कड़ी नजर रखी जा रही है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 | Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 | Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2012/52437 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स टिकरी, कमला नगर, प्रयागराज से मुद्रित एवं 80-ए मेहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 से प्रकाशित एवं सम्पादित।

● सम्पादक विनीता शर्मा ● मोबाइल : 9415975437, 7007837917, 9415223357 ● E-Mail : editormantrabharat@gmail.com ● वैधानिक सूचनाः- मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र प्रयागराज न्यायालय होगा।